E PAPER

थिंक राजस्थान

सोच नई, राजस्थान के लिए

वर्ष: 01 अंक: 63 पृष्ठ: 8 अंग्रेजी/हिन्दी (दैनिक) जयपुर, मंगलवार 15 सितंबर, 2026 मूल्य: ₹10.00 प्रभात RNI NO. RJMUL/26/A4290

राजस्थान निकाय चुनाव रिजल्ट: BJP ने 4 हजार से ज्यादा वार्डों में दर्ज की जीत, PM मोदी ने कार्यकर्ताओं की दी बधाई, जनादेश पर क्या बोले?

थिंक राजस्थान

नई दिल्ली। राजस्थान नगर निकाय चुनाव में भाजपा ने बंपर जीत दर्ज की है। इस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को बधाई दी है। इसके साथ ही उन्होंने इस जीत को झूठ की गूंज के सामने सत्य की विजय बताया है। उनके अलावा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, नितिन नवीन समेत अन्य नेताओं की टिप्पणियां भी सामने आई हैं। राजस्थान नगर निकाय चुनाव में अब तक 10,210 वार्डों के नतीजे जारी हो गए हैं। इनमें से भाजपा ने 4,171 सीटों, जबकि कांग्रेस ने 3,597 सीटों पर जीत हासिल की है। इस पर पीएम मोदी ने कहा, 'यहां के मेरे परिवारजनों के इस जनादेश से एक बार फिर साफ हो गया है कि डबल इंजन सरकार की सुशासन एवं विकास की नीतियों को उनका पूरा समर्थन है। इससे राज्य को प्रगति की नई ऊंचाइयों पर ले जाने के साथ ही जन-जन के जीवन में खुशहाली लाने का हमारा संकल्प भी और सशक्त होगा। इस अवसर पर सभी विजयी प्रत्याशियों के साथ ही पार्टी के समर्पित और परिश्रमी कार्यकर्ताओं को मेरी बहुत-बहुत बधाई।' केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर राजस्थानी भाषा में लिखा, 'घणी-घणी बधाइयां राजस्थान।' इसके साथ ही कहा कि भाजपा को पीएम मोदी के नेतृत्व में प्रचंड जीत मिली है। उन्होंने आगे कहा कि यह प्रदेश सरकार के सुशासन और विकास कार्यों पर जनता की मुहर है। उन्होंने बताया, 'कांग्रेस के कुशासन और भ्रष्टाचार से प्रदेश को मुक्त कर बीजेपी सरकार हर क्षेत्र में विकास को नई गति दे रही है। प्रदेशवासियों का यह आशीर्वाद राजस्थान को विकसित बनाने के संकल्प को और मजबूत करेगा।' भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का कहना है, 'आभार राजस्थान... नगर निकाय चुनावों में बीजेपी की प्रचंड विजय पर जनता-जनार्दन का सहृदय धन्यवाद। प्रदेश की जनता ने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया है कि उनका अटूट विश्वास आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर है। भ्रम फैलाने वालों और नाराज फूफाओं को दरकिनार कर राजस्थान ने जनकल्याण की नीतियों, विकास और सुशासन पर अपनी मुहर लगा दी है। इस ऐतिहासिक जीत पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ और दिन-रात मेहनत करने वाले भाजपा के समर्पित कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई।' केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें उन्होंने बताया, 'राजस्थान के नगर निकाय चुनावों में बीजेपी को मिले प्रबल जनसमर्थन से यह एक बार फिर सिद्ध हो गया है कि विकास और सुशासन का दूसरा नाम है, भारतीय जनता पार्टी। राजस्थान नगर निकाय चुनावों में मिली सफलता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में विकास, सुशासन, जनकल्याण और पारदर्शी प्रशासन के प्रति जनता के विश्वास की सशक्त अभिव्यक्ति है। राजस्थान की जनता ने स्पष्ट संदेश दिया है, यह प्रदेश 'विकसित राजस्थान' के लक्ष्य के साथ निरंतर आगे बढ़ेगा। राजस्थान की जनता को इस विजय के लिए आभार और पार्टी कार्यकर्ताओं को बहुत-बहुत बधाई।' नगर निकाय चुनाव के नतीजों में भाजपा में उत्साह का माहौल है। पार्टी नेता इस जीत को राज्य सरकार की नीतियों और स्थानीय स्तर पर संगठन की मजबूत पकड़ से जोड़ रहे हैं। चुनाव परिणामों के बाद अब सबसे ज्यादा नजर नगर निकायों में बोर्ड गठन पर रहेगी।

पानी में डूबा वाराणसी तो जागी सरकार, लापरवाही पर एग्जीक्यूटिव इंजीनियर सस्पेंड

थिंक राजस्थान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने वाराणसी में जलभराव की समस्या को लेकर बड़ी कार्रवाई की है। शहर में जल निकासी व्यवस्था में लापरवाही के आरोप में उत्तर प्रदेश जल निगम (नगरीय) के निर्माण खंड में तैनात एग्जीक्यूटिव इंजीनियर पवन कुमार गुप्ता को निलंबित कर दिया गया है। उनके खिलाफ विभागीय जांच भी शुरू की गई है। सरकार ने यह कार्रवाई उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली-1999 के नियम-7 के तहत की है। इस मामले की जांच के लिए उत्तर प्रदेश जल निगम (नगरीय), लखनऊ के मुख्य अभियंता (क्रय) को जांच अधिकारी बनाया गया है। प्रारंभिक जांच में अधिकारियों की ओर से कई स्तर पर लापरवाही सामने आई है। जांच के मुताबिक चौकाघाट सीवेज पम्पिंग स्टेशन पर नदी के पानी को वापस आने से रोकने के लिए जरूरी गेट या बैरियर लगाने की योजना और उसका आकलन तैयार नहीं किया गया था। इसके अलावा वरिष्ठ अधिकारियों की ओर से दिए गए निर्देशों पर भी अपेक्षित कार्रवाई नहीं की गई। भारी बारिश के दौरान पम्प समय पर नहीं चलने के कारण सीवर लाइनों पर दबाव बढ़ गया।

ब्रिक्स 2026 की सफलता भारत की वैश्विक कूटनीतिक ताकत का प्रमाण : एस जयशंकर

थिंक राजस्थान

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के सफल आयोजन पर कहा कि पूरे देश और दुनिया ने ब्रिक्स सम्मेलन 2026 की सफलता देखी। इस सम्मेलन में कुल 32 प्रतिनिधिमंडलों ने भाग लिया, जिनमें 11 सदस्य देशों, 10 साझेदार देशों, 4 क्षेत्रीय संगठनों और 7 अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधि शामिल थे। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन की सबसे बड़ी विशेषता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की मजबूत वैश्विक भूमिका रही। सम्मेलन में अधिकांश देशों का प्रतिनिधित्व राष्ट्राध्यक्षों या सरकार प्रमुखों के स्तर पर हुआ। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग, इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो, दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन, इथियोपिया के प्रधानमंत्री अबी अहमद, यूएई के क्राउन प्रिंस और मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी समेत कई बड़े नेता इसमें शामिल हुए। इसके साथ ही संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के साथ-साथ विश्व व्यापार संगठन, विश्व स्वास्थ्य संगठन और अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के प्रमुखों ने भी भाग लिया। सम्मेलन के दौरान इन नेताओं और प्रधानमंत्री मोदी के बीच बेहतर तालमेल और आत्मीय संबंध भी देखने को मिले।

आतंकियों के ठिकानों को तबाह करना जारी रखेगा इजरायल: नेतन्याहू

थिंक राजस्थान

यरुशलम। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सोमवार को कहा कि इजरायल ने हिजबुल्लाह के खिलाफ एक और बड़ी जीत हासिल की है और लेबनान के सुरक्षा क्षेत्र में मौजूद आतंकवादी ढांचे को नष्ट करने का अभियान जारी रहेगा। इजरायली प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर नेतन्याहू के हवाले से कहा, 'हमने हिजबुल्लाह के खिलाफ एक और बड़ी जीत हासिल की है। हमने ब्यूफोर्ट रिज और अली अल-ताहेर रिज पर उसके प्रमुख आतंकवादी गढ़ों को नष्ट कर दिया है। हमारी नीति स्पष्ट है कि लेबनान के सुरक्षा क्षेत्र में मौजूद आतंकवादी ढांचे को खत्म करना जारी रहेगा। इजरायल के लिए किसी भी खतरे को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।' नेतन्याहू ने इजरायल के दुश्मनों को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर उन्होंने अब भी सबक नहीं सीखा और दोबारा हमला करने का विकल्प चुना, तो उन्हें पहले से भी अधिक भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। उन्होंने कहा कि अभी कुछ काम बाकी है और ईश्वर की मदद से उसे भी पूरा किया जाएगा। इस बीच, पिछले महीने लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ आउन ने कहा था कि इजरायल और लेबनान के बीच रोम में हुई ताजा वार्ता में सीमा विवाद और कैदियों की वापसी के मुद्दे पर सकारात्मक प्रगति हुई है। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, रोम में इजरायल और लेबनान के अधिकारियों के बीच तीन दिनों तक चली वार्ता जून के अंत में वॉशिंगटन में हुए ढांचे संबंधी समझौते को लागू करने और सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी। हिजबुल्लाह इस वार्ता का विरोध करता रहा है। भारत का आरोप रहा है कि जैश-ए-मोहम्मद ने देश में कई आतंकी घटनाओं को अंजाम देने या उनकी साजिश में भूमिका निभाई है।

राजस्थान निकाय चुनाव में भाजपा का दबदबा, 9,900 में से 4,026 वार्डों में जीत, कांग्रेस 3,438 पर सिमटी

थिंक राजस्थान

जयपुर। राजस्थान नगर निकाय चुनाव के नतीजे सोमवार को घोषित हो गए। राज्य के 309 नगर निकायों के 9,900 वार्डों के आए परिणामों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस को बड़े अंतर से पीछे छोड़ दिया है। भाजपा ने 4,026 वार्डों में जीत दर्ज की है, वहीं कांग्रेस के खाते में 3,438 वार्ड आए हैं, जबकि 2,436 वार्डों में निर्दलीय और अन्य उम्मीदवारों ने जीत हासिल की है। शुरुआती रुझानों से ही भाजपा बढ़त बनाए हुए थी, जो अंतिम नतीजों में भी बरकरार रही। हालांकि, 10 नगर निगमों के नतीजों में तस्वीर मिली-जुली रही है। जयपुर नगर निगम में भाजपा ने 78 वार्ड जीतकर बहुमत हासिल किया है। यहां कांग्रेस को 53 और अन्य को 15 वार्ड मिले हैं। कोटा में भी भाजपा का दबदबा रहा, जहां 55 वार्ड भाजपा, 35 कांग्रेस और 4 अन्य के खाते में गए। उदयपुर में भाजपा ने एकतरफा जीत दर्ज की, 80 में से 53 वार्ड भाजपा ने जीते, कांग्रेस को 23 और अन्य को 4 वार्ड मिले। भीलवाड़ा में भी भाजपा ने 45 वार्डों पर कब्जा जमाया, कांग्रेस को 10 और अन्य को 15 वार्ड मिले। अलवर में भाजपा को 28, कांग्रेस को 23 और अन्य को 14 वार्ड मिलीं। वहीं, अजमेर, बीकानेर और पाली में कांग्रेस ने वापसी की है। अजमेर में कांग्रेस 37 वार्ड जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनी, भाजपा को 32 और अन्य को 11 वार्ड मिले। बीकानेर में कांग्रेस ने 42 वार्ड जीतकर भाजपा (27 वार्ड) को पीछे छोड़ा। पाली में भी कांग्रेस को 29 वार्ड मिले। जबकि, भाजपा को 21 और अन्य को 15 वार्ड मिले। जोधपुर में मुकाबला बराबरी पर रहा, जहां भाजपा और कांग्रेस दोनों को 44-44 वार्ड मिले, 11 वार्ड अन्य ने जीते। भरतपुर में निर्दलीयों ने बाजी पलट दी, 65 में से 38 वार्ड अन्य-निर्दलीय, 20 भाजपा और सिर्फ 7 कांग्रेस ने जीते। राजस्थान में कुल 10 नगर निगम, 51 नगर परिषद और 248 नगरपालिकाओं के चुनाव दो चरणों में हुए थे। पहले चरण में 9 सितंबर को 162 निकायों के 5,393 वार्डों के लिए वोटिंग हुई थी, जिसमें 76.41 प्रतिशत मतदान हुआ था और 20 हजार से अधिक उम्मीदवार मैदान में थे। इसमें अलवर, भरतपुर, बीकानेर और भीलवाड़ा नगर निगम शामिल थे। वहीं, दूसरे चरण में 11 सितंबर को 147 निकायों के 4,774 वार्डों के लिए मतदान हुआ, जिसमें 71.69 प्रतिशत वोटिंग हुई और 18,266 उम्मीदवारों ने किस्मत आजमाई। इसमें जयपुर, अजमेर, जोधपुर, कोटा, उदयपुर और पाली नगर निगम शामिल थे। दोनों चरणों में कुल 74.05 प्रतिशत मतदान हुआ था। नगर निकाय चुनाव के नतीजों ने राजस्थान की स्थानीय राजनीति में भाजपा को मजबूत स्थिति में ला दिया है। हालांकि कई नगर निगमों और निकायों में कांग्रेस तथा निर्दलीय उम्मीदवारों का प्रदर्शन भी प्रभावी रहा है।

ब्रिक्स का विस्तार : भारत-चीन दृष्टिकोण से बदलता वैश्विक दक्षिण

थिंक राजस्थान

बीजिंग। चीन में एक भारतीय पत्रकार के रूप में भारत-चीन संबंधों और बदलती विश्व व्यवस्था को देखते हुए ब्रिक्स का विस्तार एक दिलचस्प सवाल खड़ा करता है- क्या यह मंच केवल उभरती अर्थव्यवस्थाओं का समूह है या भारत और चीन जैसे देशों के लिए वैश्विक दक्षिण की भूमिका को नए सिरे से परिभाषित करने का अवसर भी है? 'ब्रिक' के रूप में शुरू हुआ यह मंच आज सदस्य और साझेदार देशों के व्यापक समूह में बदल चुका है। इसका विस्तार ऐसे समय में हो रहा है जब वैश्विक शक्ति-संतुलन तेजी से बदल रहा है और विकासशील देश वैश्विक निर्णय प्रक्रिया में अधिक प्रतिनिधित्व की मांग कर रहे हैं। भारत और चीन ब्रिक्स को वैश्विक दक्षिण के लिए महत्वपूर्ण मंच मानते हैं, हालांकि उनकी प्राथमिकताओं में अंतर भी दिखाई देता है। यहीं ब्रिक्स भारत-चीन सहयोग के लिए एक महत्वपूर्ण साझा मंच बन सकता है।

विदेश में भारतीय मिशनों ने साहित्यिक सभाओं और कविता पाठ के साथ हिंदी दिवस मनाया

थिंक राजस्थान

सियोल। दुनिया भर में भारतीय मिशनों ने सोमवार को हिंदी दिवस 2026 के अवसर पर साहित्यिक सभाओं और कार्यक्रमों की मेजबानी की। ह्यूस्टन में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने हिंदी भाषा का जश्न मनाने वाला एक कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें आवास, शहरी मामलों और विद्युत मंत्री मनोहर लाल ने भाग लिया। महावाणिज्य दूतावास ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, 'हिंदी दिवस 2026 के अवसर पर, ह्यूस्टन में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने इंटरनेशनल हिंदी एसोसिएशन-ह्यूस्टन चैप्टर के सहयोग से हिंदी भाषा की समृद्धि, समावेशिता और जीवंतता का जश्न मनाते हुए एक सुंदर साहित्यिक मिलन की मेजबानी की।' उन्होंने आगे कहा, 'इस कार्यक्रम में मंत्री मनोहर लाल ने भाग लिया, जिनकी उपस्थिति और प्रेरणादायक शब्दों ने पूरे क्षेत्र में हिंदी समुदाय को उत्साहित और प्रेरित किया। ह्यूस्टन में महावाणिज्य दूतावास उन सभी हिंदी प्रेमियों, स्वयंसेवकों और साझेदार संगठनों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता है, जिनके समर्पण ने इस उत्सव को वास्तव में विशेष बना दिया।' संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में भारतीय दूतावास ने सोमवार को अबू धाबी में भारतीय स्कूलों के सहयोग से हिंदी दिवस मनाया, जिसमें कविता पाठ और निबंध प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। यूएई में भारतीय दूतावास ने एक्स पर लिखा, 'दूतावास ने अबू धाबी और अल ऐन में भारतीय स्कूलों के सहयोग से 'हिंदी दिवस 2026' मनाया। इस कार्यक्रम में कविता पाठ, निबंध प्रतियोगिताएं और 'हिंदी क्विज' शामिल थे। शिक्षकों और छात्रों को भी सम्मानित किया गया, जिससे हिंदी की सुंदरता और रचनात्मकता का जश्न मनाया गया।' बहरीन में भारतीय दूतावास ने भी कविता पाठ, नाटक, नृत्य प्रदर्शन और हिंदी क्विज में भागीदारी के माध्यम से हिंदी दिवस मनाया। दूतावास ने एक्स पर लिखा, 'बहरीन में भारतीय दूतावास में हिंदी दिवस मनाया गया, जिसमें दूतावास परिवार ने कविता पाठ, नाटक, नृत्य प्रदर्शन और हिंदी क्विज में भागीदारी के माध्यम से हिंदी की समृद्धि और प्रासंगिकता का जश्न मनाने के लिए एक साथ आए, भाषा के स्थायी महत्व को उजागर किया, भारत की समृद्ध भाषाई विरासत के उत्सव और प्रचार को प्रोत्साहित किया।'

यमन में बढ़ा तनाव : हूतियों का दावा—सऊदी अरब ने 24 घंटे में किए 54 एयरस्ट्राइक

थिंक राजस्थान

सना। पश्चिम एशिया में जारी सामरिक तनाव के बीच यमन के हूती विद्रोहियों ने दावा किया है कि सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन ने पिछले 24 घंटों के भीतर यमन के विभिन्न प्रांतों पर 54 हवाई हमले किए हैं।

यह टकराव ऐसे समय में और तीव्र हो गया है जब इस पूरी लड़ाके लाल सागर के सामरिक तटीय क्षेत्रों में तेजी से अपनी स्थिति मजबूत कर रहे हैं। तटीय गलियारे और अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार के प्रमुख केंद्र 'बाब अल-मंदेब स्ट्रेट' पर अपना नियंत्रण मजबूत कर लिया है। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य तनाव के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट ऑफ होर्मुज) पहले से ही संवेदनशील बना हुआ है,

ऐसे में बाब अल-मंदेब क्षेत्र में बढ़ता सैन्य टकराव वैश्विक तेल आपूर्ति और समुद्री माल ढुलाई के लिए नए खतरे पैदा कर रहा है।

3,300 करोड़ की संपत्ति के मालिक BJP विधायक पराग शाह बने भिखारी : मैले कपड़ों में घाटकोपर की सड़कों पर मांगी मदद

थिंक राजस्थान

मुंबई। मुंबई के घाटकोपर पूर्व से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक और रियल एस्टेट कारोबारी पराग शाह का एक अनोखा वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा का केंद्र बना हुआ है। 3,383 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति के मालिक विधायक ने मैले-कुचैले कपड़े पहनकर, हाथ में झाड़ू-झोला लेकर भिखारी के रूप में घाटकोपर की सड़कों पर समय बिताया और आम लोगों से मदद मांगी। पराग शाह के अनुसार, यह कोई राजनीतिक प्रचार नहीं था, बल्कि जैन धर्मगुरु राष्ट्रसंत नम्रमुनि महाराज की सीख और प्रेरणा से किया गया एक आत्म-साक्षात्कार और सामाजिक प्रयोग था। एक कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रसंत नम्रमुनि महाराज ने इस प्रयोग की पृष्ठभूमि साझा करते हुए कहा कि अक्सर व्यक्ति को यह मुगालता हो जाता है कि उसका रुतबा, आवाज और पहचान हर जगह पहचानी जाएगी। उन्होंने कहा कि समाज व्यक्ति को नहीं, बल्कि उसके वैभव और स्थिति को सम्मान देता है; यदि वैभव छीन लिया जाए, तो इंसान को अपनी ही इमारत का सुरक्षाकर्मी पहचानने से इनकार कर दे। इसी वास्तविकता का अनुभव कराने के लिए विधायक को अपनी पहचान बदलकर आम और उपेक्षित व्यक्ति की जिंदगी महसूस करने को कहा गया।

संपादकीय

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में पन्नाधाय बाल गोपाल योजना की समीक्षा बैठक, कम आपूर्ति वाले जिलों में वितरण व्यवस्था को गति देने के निर्देश

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में सोमवार को पन्नाधाय बाल गोपाल योजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं विद्यालयों में दूध पाउडर के वितरण की समीक्षा के लिए बैठक आयोजित हुई। मुख्य सचिव ने योजना के तहत विद्यालयों में दूध वितरण की प्रगति की जिलेवार समीक्षा की तथा आपूर्ति व्यवस्था से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर अधिकारियों से जानकारी ली।

दूध पाउडर के डिस्पैच एवं वितरण में हो समयबद्धता— मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि विद्यालयों तक दूध पाउडर के डिस्पैच एवं डिलीवरी के बीच किसी प्रकार का अनावश्यक अंतराल नहीं रहे। उन्होंने कहा कि दूध पाउडर का विद्यालयों तक समयबद्ध एवं नियमित रूप से वितरण सुनिश्चित किया जाए ताकि योजना का लाभ विद्यार्थियों को निर्बाध रूप से मिल सके। उन्होंने अधिकारियों को आपूर्ति श्रृंखला की निरंतर निगरानी करने तथा डिस्पैच के बाद विद्यालयों तक डिलीवरी में होने वाली देरी को तत्काल दूर करने के निर्देश दिए।

कम आपूर्ति वाले जिलों पर विशेष फोकस— वी. श्रीनिवास ने निर्देश दिए कि जिन जिलों में विद्यालयों को दूध पाउडर की आपूर्ति अपेक्षाकृत कम है, वहां विशेष ध्यान देते हुए आपूर्ति व्यवस्था को गति दी जाए। उन्होंने जिलेवार प्रगति की नियमित समीक्षा करने और कम प्रगति वाले जिलों में आवश्यक समन्वय स्थापित कर निर्धारित समयावधि में लक्ष्य पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव, स्कूल शिक्षा विभाग राजेश यादव, प्रमुख शासन सचिव, पशुपालन, मत्स्य एवं गोपालन विभाग विकास सीताराम भाले तथा आरसीडीएफ के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में योजना के तहत विद्यार्थियों को दूध वितरण की नियमितता और आपूर्ति व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया कि विद्यालयों में दूध पाउडर की उपलब्धता बनी रहे और आपूर्ति में किसी भी स्तर पर व्यवधान नहीं आए। इसके लिए जिलेवार स्थिति पर लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए गए।

सादुलपुर में कांग्रेस 16 वार्डों में जीती, निर्दलीय 15 पर; भाजपा को 9 सीटें

एजेंसी, थिंक राजस्थान

सादुलपुर। नगर पालिका चुनाव के सोमवार को जारी परिणामों में कांग्रेस सबसे बड़े दल के रूप में उभरी है। कांग्रेस ने 16 वार्डों में जीत दर्ज की, जबकि निर्दलीय प्रत्याशी 15 और भाजपा 9 वार्डों में विजयी रही। परिणामों के बाद अब नगर पालिका में बोर्ड गठन को लेकर राजनीतिक समीकरणों पर नजरें टिक गई हैं। वार्ड नंबर 23 में कांग्रेस के इमरान बेग ने सबसे बड़ी जीत दर्ज की। उन्होंने निर्दलीय प्रत्याशी मुस्ताक खां को 446 मतों के अंतर से हराया। वहीं एक अन्य वार्ड में मुकाबला बेहद करीबी रहा, जहां निर्दलीय राजेंद्र सिंह ने कांग्रेस के मंगतू राम को महज एक वोट के अंतर से पराजित किया। राजेंद्र सिंह को 215 और मंगतू राम को 214 वोट मिले। वार्ड नंबर 11 में कांग्रेस के मोहम्मद सलीम ने भी बेहद कम अंतर से जीत हासिल की। उन्हें कुल 197 वोट मिले और उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी को 8 वोटों से हराया। सादुलपुर नगर पालिका में बोर्ड बनाने के लिए 21 पार्षदों के समर्थन की जरूरत होगी। कांग्रेस के पास 16 सीटें हैं, ऐसे में उसे चेयरमैन बनाने के लिए कम से कम पांच निर्दलीय पार्षदों के समर्थन की आवश्यकता होगी। वहीं भाजपा के 9 और निर्दलीयों के 15 पार्षद मिलकर भी चुनावी समीकरणों को प्रभावित कर सकते हैं। सादुलपुर में पार्षद पद के लिए 9 सितंबर को मतदान हुआ था, जिसमें करीब 68 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया था। नगर पालिका में चेयरमैन का पद ओबीसी वर्ग के लिए आरक्षित है। अब चेयरमैन पद के चुनाव को लेकर कांग्रेस और अन्य दलों की नजर निर्दलीय पार्षदों पर रहेगी। सादुलपुर नगर पालिका में बहुमत के लिए जरूरी 21 पार्षदों का आंकड़ा कांग्रेस के पास नहीं है। ऐसे में बोर्ड गठन के लिए निर्दलीय पार्षदों का समर्थन हासिल करना पार्टी के लिए सबसे अहम चुनौती होगी। कांग्रेस को कम से कम पांच निर्दलीय पार्षदों के समर्थन की जरूरत होगी, जबकि भाजपा भी निर्दलीयों के साथ समीकरण बनाने की कोशिश कर सकती है।

बड़ी बेटी पर शक करता था चार हत्याओं का आरोपी पिता, वारदात के बाद तीन मंदिरों में किए दर्शन

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। करधनी इलाके में पत्नी और तीन बेटियों की हत्या के मामले में पुलिस ने आरोपी राहुल झा (45) को रविवार रात रींगस से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि वारदात के बाद आरोपी ई-रिक्शा से जयपुर के तीन मंदिरों में दर्शन करने गया था। पुलिस के अनुसार आरोपी को शेयर मार्केट में लगातार नुकसान हो रहा था और वह परिवार को लेकर तनाव में था। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह मुख्य रूप से पत्नी और बड़ी बेटी की हत्या करना चाहता था। पुलिस के अनुसार उसे शक था कि बड़ी बेटी का किसी युवक से प्रेम संबंध है और वह रात में उससे मिलने घर आता है। आरोपी का कहना है कि वह पिछले दो-तीन महीने से पत्नी से बेटी को समझाने के लिए कह रहा था, लेकिन पत्नी बेटी का पक्ष लेती थी। इसी बात को लेकर दोनों के बीच अक्सर विवाद होता था। पुलिस के मुताबिक बड़ी बेटी परिचितों के साथ बाहर घूमने जाती थी।

सरदारशहर में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी, 25 सीटों पर जीत; 8 निर्दलीय तय करेंगे बोर्ड

एजेंसी, थिंक राजस्थान

सरदारशहर। नगर परिषद चुनाव के सभी 55 वार्डों के परिणाम घोषित हो गए हैं। किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलने से सरदारशहर में बोर्ड गठन का मुकाबला दिलचस्प हो गया है। भाजपा ने 25 वार्डों में जीत दर्ज कर सबसे बड़े दल के रूप में जगह बनाई, जबकि कांग्रेस को 22 सीटें मिलीं। 8 निर्दलीय प्रत्याशी भी विजयी हुए हैं। नगर परिषद में बहुमत का आंकड़ा 28 है, ऐसे में भाजपा को तीन और कांग्रेस को छह पार्षदों के समर्थन की जरूरत है। अब दोनों दलों की नजर निर्दलीय पार्षदों पर है। चुनाव परिणामों में उम्र के दो छोर भी चर्चा में रहे। वार्ड नंबर 4 से भाजपा के अमर चंद मीणा ने 82 वर्ष की उम्र में जीत दर्ज की। उन्होंने कांग्रेस के अब्दुल सतार को 124 वोटों से हराया। वहीं वार्ड नंबर 36 से निर्दलीय प्रत्याशी आईना खान चायल ने महज 21 वर्ष की उम्र में जीत हासिल की। उन्होंने कांग्रेस की नफीसा सैयद को 30 वोटों से पराजित किया। वार्ड नंबर 50 में मुकाबला बेहद करीबी रहा। कांग्रेस के शोभा कांत स्वामी को 517 वोट मिले, जबकि भाजपा के सुरेश को 515 वोट मिले।

बीकानेर नगर निगम में कांग्रेस का दबदबा, 42 वार्डों में जीत; भाजपा 27 पर सिमटी

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। नगर निगम चुनाव के सामने आए परिणामों में कांग्रेस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 42 वार्डों में जीत दर्ज की है। भाजपा को 27 वार्डों में सफलता मिली, जबकि 10 वार्डों में निर्दलीय प्रत्याशी विजयी रहे। वार्ड नंबर 23 में रालोपा की सरोज ने जीत दर्ज कर पार्टी का खाता खोला। कुल 80 वार्डों के लिए 373 प्रत्याशी मैदान में थे। वार्ड नंबर 73 में कांग्रेस प्रत्याशी अनिल कल्ला ने भाजपा के दीपक पारीक को करीब 800 मतों से हराया। अनिल कल्ला वरिष्ठ कांग्रेस नेता डॉ. बीडी कल्ला के भतीजे हैं। जीत के बाद वे महापौर पद की दौड़ में प्रमुख दावेदारों में शामिल माने जा रहे हैं। पूर्व महापौर सुशीला कंवर राजपुरोहित को वार्ड नंबर 14 में कांग्रेस की किरण भाटी ने हरा दिया। सुशीला कंवर पिछले नगर निगम चुनाव में महापौर निर्वाचित हुई थीं और इस चुनाव में भाजपा के घोषणा पत्र से जुड़ी समिति का भी हिस्सा थीं। कांग्रेस ने वार्ड 4 में तीजा देवी, 5 में मनीषा सिंघल, 7 में गीता देवी, 15 में अब्दुल वाहिद, 16 में पूनम चंद, 17 में चेतना डोटासरा, 18 में मकसूद अहमद, 21 में रिजवान, 24 में गौरीशंकर गहलोत और 25 में मोहम्मद हुसैन सहित कई वार्डों में जीत दर्ज की। भाजपा के खाते में वार्ड 2 में दीपक व्यास, 3 में शिव गहलोत, 6 में संदीप गहलोत, 8 में भगवान सिंह मेड़तिया, 9 में विनोद धवल, 12 में हिमांशु शर्मा और 13 में सुरेंद्र सिंह शेखावत सहित कई प्रत्याशी विजयी रहे। वहीं निर्दलीयों ने भी दोनों प्रमुख दलों को चुनौती देते हुए कई वार्डों में जीत हासिल की। 80 सदस्यीय नगर निगम में कांग्रेस के 42 पार्षदों के साथ स्पष्ट बहुमत बन गया है। ऐसे में अब महापौर पद को लेकर कांग्रेस में राजनीतिक गतिविधियां तेज होने की संभावना है। अनिल कल्ला की जीत के बाद महापौर पद की दावेदारी को लेकर भी चर्चाएं शुरू हो गई हैं। भाजपा के लिए परिणाम आत्ममंथन का विषय हैं, जबकि निर्दलीय पार्षदों की भूमिका भी आगामी राजनीतिक समीकरणों में महत्वपूर्ण रह सकती है।

जयपुर नगर निगम में भाजपा का दबदबा, 78 सीटों पर जीत; कांग्रेस 53 पर सिमटी

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। जयपुर नगर निगम के 150 वार्डों में से 146 के चुनाव परिणाम सोमवार को घोषित हुए। भाजपा ने 78 वार्डों में जीत दर्ज कर स्पष्ट बढ़त बनाई, जबकि कांग्रेस को 53 और निर्दलीय प्रत्याशियों को 15 सीटों पर सफलता मिली। चार वार्ड—9, 18, 25 और 34—के पांच बूथों पर री-पोलिंग होगी, जिसके बाद इन वार्डों के परिणाम स्पष्ट होंगे। वार्ड नंबर 113 में कांग्रेस प्रत्याशी गजनफर ने रिकॉर्ड 10,014 मतों के अंतर से जीत दर्ज की। इस वार्ड में भाजपा प्रत्याशी फरीदुद्दीन जैकी की जमानत जब्त हो गई। वहीं वार्ड नंबर 124 में कांग्रेस की कांता देवी ने भाजपा की मनभरी को महज 5 वोटों के अंतर से हराकर बेहद करीबी जीत दर्ज की। वार्ड नंबर 112 में भाजपा प्रत्याशी सुनील कोठारी ने 902 वोटों के अंतर से जीत हासिल की। उनकी जीत के बाद उन्हें मेयर पद के प्रमुख दावेदारों में माना जा रहा है। जयपुर नगर निगम के चुनाव परिणामों में भाजपा ने स्पष्ट बढ़त बनाई है।

बीकानेर जिले में कांग्रेस 127 सीटों के साथ सबसे आगे, भाजपा को 104 पर जीत

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। नगर निकाय चुनाव में बीकानेर जिले की सातों नगरीय संस्थाओं के कुल 270 वार्डों के सामने आए परिणामों में कांग्रेस सबसे बड़े दल के रूप में उभरी है। कांग्रेस ने 127 सीटों पर जीत दर्ज की, जबकि भाजपा को 104 सीटें मिलीं। निर्दलीय प्रत्याशियों ने 35, सीपीआईएम ने 2 और अन्य दलों ने 3 सीटों पर जीत हासिल की। बीकानेर नगर निगम के 80 वार्डों में कांग्रेस ने 42 सीटों पर कब्जा किया, जबकि भाजपा को 27, सीपीआईएम को 1 और निर्दलीय प्रत्याशियों को 10 सीटें मिलीं। इस प्रदर्शन के साथ कांग्रेस ने नगर निगम में स्पष्ट बढ़त बनाई है। नगर पालिकाओं के परिणामों में नोखा में कांग्रेस 29, देशनोक में 15 और श्रीडूंगरगढ़ में 15 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी रही। वहीं लूणकरनसर में भाजपा ने 23, खाजूवाला में 11 और नापासर में 10 सीटों पर जीत दर्ज कर बढ़त बनाई। कुल मिलाकर बीकानेर, नोखा, देशनोक और श्रीडूंगरगढ़ में कांग्रेस सबसे बड़े दल के रूप में सामने आई, जबकि नापासर, खाजूवाला और लूणकरनसर में भाजपा ने बढ़त हासिल की। निर्दलीयों की 35 सीटें भी महत्वपूर्ण हैं। खासकर श्रीडूंगरगढ़ और नापासर में निर्दलीय पार्षद आगामी स्थानीय राजनीतिक समीकरणों में अहम भूमिका निभा सकते हैं। निकाय चुनाव के परिणामों ने बीकानेर जिले में कांग्रेस के मजबूत प्रदर्शन को सामने रखा है, जबकि भाजपा के लिए कई निकायों में अपेक्षाकृत कमजोर प्रदर्शन राजनीतिक आत्ममंथन का विषय बन सकता है। नगर निकाय चुनाव के नतीजों ने राजस्थान की स्थानीय राजनीति में भाजपा को मजबूत स्थिति में ला दिया है। हालांकि कई नगर निगमों और निकायों में कांग्रेस तथा निर्दलीय उम्मीदवारों का प्रदर्शन भी प्रभावी रहा है। विशेष रूप से जोधपुर, अलवर, पाली और भरतपुर जैसे निकायों में परिणामों ने राजनीतिक दलों के सामने अलग-अलग चुनौतियां खड़ी की हैं। जहां कुछ जगहों पर भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधा मुकाबला देखने को मिला, वहीं कई निकायों में निर्दलीय पार्षद निर्णायक भूमिका में नजर आ रहे हैं। बोर्ड गठन के दौरान इन पार्षदों की राजनीतिक अहमियत बढ़ सकती है। भाजपा के लिए जयपुर, कोटा और उदयपुर जैसे बड़े नगर निगमों में बेहतर प्रदर्शन संगठन के लिए उत्साह बढ़ाने वाला है। पार्टी अब इन निकायों में अपने बोर्ड के जरिए स्थानीय स्तर पर विकास कार्यों को आगे बढ़ाने की कोशिश करेगी। वहीं कांग्रेस अजमेर, बीकानेर और पाली में मिले जनसमर्थन को स्थानीय संगठन को मजबूत करने के अवसर के रूप में देख सकती है। चुनाव परिणामों के बाद दोनों प्रमुख दलों के भीतर वार्डवार समीक्षा भी शुरू होगी। उम्मीदवारों के चयन, स्थानीय मुद्दों, संगठन की सक्रियता और मतदान के दौरान कार्यकर्ताओं की भूमिका का आकलन किया जाएगा। जिन क्षेत्रों में पार्टी को अपेक्षित सफलता नहीं मिली, वहां भविष्य की रणनीति में बदलाव की संभावना रहेगी।

अलोदा में स्मृति से सेवा तक का संकल्प, 19 सितंबर को होगा भव्य आयोजन

एजेंसी, थिंक राजस्थान

खाटूश्यामजी। स्व. श्रीमती छोटी देवी धर्मपत्नी स्व. चौधरी भूराराम कुलरिया एवं स्व. श्री गोपालराम मीणा की पावन स्मृति में उनके परिवारजनों की ओर से पी.एम. श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, अलोदा में प्रवेश द्वारों का लोकार्पण एवं रक्तदान शिविर आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम 19 सितंबर 2026, शनिवार को प्रातः 10:15 बजे से आयोजित होगा। आयोजन को लेकर तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। कार्यक्रम का पोस्टर विमोचन दांतारामगढ़ विधायक वीरेन्द्र सिंह द्वारा किया गया। इस दौरान आयोजन से जुड़े लोगों ने कार्यक्रम की रूपरेखा एवं तैयारियों को लेकर जानकारी दी तथा क्षेत्रवासियों से अधिकाधिक संख्या में शामिल होने का आह्वान किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि चौधरी नारायण सिंह, पूर्व कैबिनेट मंत्री, राजस्थान सरकार एवं पूर्व प्रदेशाध्यक्ष, पीसीसी रहेंगे। कार्यक्रम को लेकर ग्रामवासियों में उत्साह है।

जयपुर, जोधपुर और कोटा में मेयर-डिप्टी मेयर के चुनाव स्थगित, EVM खराबी से अटके नतीजे

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। राज्य निर्वाचन आयोग ने जयपुर, जोधपुर और कोटा नगर निगम सहित सुकेत नगरपालिका में अध्यक्ष-उपाध्यक्ष पदों के चुनाव स्थगित कर दिए हैं। ऐसे में 21 सितंबर को इन निकायों में मेयर, डिप्टी मेयर और अध्यक्ष-उपाध्यक्ष पद के लिए मतदान नहीं होगा। आयोग अब इन चुनावों के लिए नए सिरे से कार्यक्रम जारी करेगा। राज्य निर्वाचन आयोग के अनुसार मतगणना के दौरान इन चारों नगरीय निकायों के कुछ मतदान केंद्रों के परिणाम ईवीएम में तकनीकी खराबी के कारण जारी नहीं हो सके। इसके चलते संबंधित निकायों के चुनाव परिणाम पूरी तरह घोषित नहीं हो पाए हैं। आयोग ने स्पष्ट किया कि जब तक निकायों के सभी वार्डों के परिणाम घोषित नहीं हो जाते, तब तक अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पदों के चुनाव निर्धारित तिथि पर कराना संभव नहीं है। इसी कारण आयोग के निर्देश पर जयपुर, जोधपुर और कोटा नगर निगम तथा सुकेत नगरपालिका के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पदों के चुनाव आगामी आदेश तक स्थगित कर दिए गए हैं। अब राज्य निर्वाचन आयोग ईवीएम से जुड़े लंबित परिणामों की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अध्यक्ष-उपाध्यक्ष पदों के चुनाव का नया कार्यक्रम जारी करेगा। चुनाव स्थगित होने से इन चारों नगरीय निकायों में नवनिर्वाचित पार्षदों के बीच अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद को लेकर चल रही राजनीतिक गतिविधियों पर भी फिलहाल विराम लग गया है। सभी वार्डों के परिणाम सामने आने के बाद ही बोर्ड गठन की प्रक्रिया आगे बढ़ सकेगी। ऐसे में संबंधित राजनीतिक दलों को अब आयोग के नए कार्यक्रम का इंतजार करना होगा। ईवीएम में तकनीकी खराबी के कारण लंबित परिणामों को लेकर निर्वाचन आयोग की ओर से आवश्यक प्रक्रिया पूरी की जाएगी। संबंधित मतदान केंद्रों के रिकॉर्ड और ईवीएम से जुड़े आंकड़ों की जांच के बाद शेष परिणाम घोषित किए जाने की संभावना है। आयोग का प्रयास रहेगा कि पूरी प्रक्रिया नियमों के अनुरूप और पारदर्शी तरीके से पूरी हो। जयपुर, जोधपुर और कोटा जैसे बड़े नगर निगमों में मेयर और डिप्टी मेयर के चुनाव स्थगित होने का राजनीतिक असर भी देखने को मिल सकता है। इन पदों को लेकर विभिन्न दलों के भीतर पार्षदों की राय और समर्थन जुटाने की कवायद चल रही थी। अब नए कार्यक्रम तक इन समीकरणों में बदलाव की संभावना बनी रहेगी। वहीं, सुकेत नगरपालिका में भी अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के चुनाव परिणामों के पूर्ण रूप से घोषित होने के बाद ही कराए जा सकेंगे। संबंधित प्रत्याशी और पार्षद अब आयोग के अगले आदेश का इंतजार करेंगे। नई तारीख घोषित होने के बाद ही चुनावी प्रक्रिया का अगला चरण शुरू होगा। निर्वाचन आयोग की ओर से स्पष्ट किया गया है कि सभी वार्डों के परिणाम घोषित होने के बाद अध्यक्ष-उपाध्यक्ष पदों के चुनाव के लिए नया कार्यक्रम जारी किया जाएगा।

चूरू नगर परिषद के 60 वार्डों के परिणाम घोषित, भाजपा 29 और कांग्रेस 26 सीटों पर जीती

एजेंसी, थिंक राजस्थान

चूरू। नगर निकाय आम चुनाव-2026 के तहत चूरू नगर परिषद के 60 वार्ड सदस्यों के निर्वाचन के लिए सोमवार को मतगणना संपन्न हुई। पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय चूरू के एक्टिविटी हॉल में 14 मतगणना टेबलों पर कुल 8 राउंड में मतगणना कराई गई। परिणामों में भाजपा ने 29 वार्डों में जीत दर्ज की, जबकि कांग्रेस को 26 सीटों पर सफलता मिली। 5 वार्डों में निर्दलीय प्रत्याशी विजयी रहे। कांग्रेस के विजयी प्रत्याशियों में वार्ड 1 से बजरंग, 3 से शायना बानो, 4 से अनिता, 5 से कमलेश, 6 से साजिद खान, 9 से अजीज खान, 10 से मोहम्मद हुसैन निरबान, 11 से संजय, 14 से तौफिक खान, 15 से शाहरुख खान, 17 से रजिया, 22 से रामी देवी, 25 से मदीना बानो, 29 से मोहम्मद आदिल, 31 से जगदीश प्रसाद, 32 से कमल कुमार, 36 से रमजान अली, 37 से नसीम निशा, 39 से तबस्सुम बानो, 40 से विनोद कुमार, 42 से लिलाधर शर्मा, 46 से प्रदीप चांवरियां, 57 से मोहम्मद सलीम और 59 से चन्द्रप्रकाश सहित अन्य शामिल हैं। भाजपा के विजयी प्रत्याशियों में वार्ड 2 से पूजा सैनी, 7 से तारा कंवर, 12 से मोहम्मद हारून, 19 से नरेन्द्र कुमार, 20 से विजय कुमार शर्मा, 21 से रजनी, 23 से विमला, 24 से मोहम्मद इस्माईल खान, 26 से फिरदोश, 27 से विजय श्री, 28 से अनुराग, 30 से सुमन देवी, 33 से भंवर लाल, 34 से अरूणा मिश्रा, 35 से सुनीता रानी, 38 से शकुन्तला, 43 से अभिषेक चोटिया, 44 से विनय कुमार, 45 से कलावती देवी लुगरिया, 47 से शशी भार्गव, 48 से हरी राम, 49 से आनंद कुमार, 51 से मंगल चन्द, 52 से संजु देवी, 53 से आकाश सैनी, 54 से प्रियंका सैन, 55 से सुनिता, 56 से महेश कुमार ठठेरा, 58 से अजीज खान और 60 से ओम प्रकाश निर्वाचित हुए। अब नगर परिषद के सभापति पद को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज होने की संभावना है और सभी की नजरें आगामी बोर्ड गठन पर रहेंगी।

पूर्व खेल मंत्री अशोक चांदना की माताजी का निधन, SMS अस्पताल में इलाज के दौरान ली अंतिम सांस

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। पूर्व खेल मंत्री अशोक चांदना की माताजी सोहनी देवी का सोमवार को निधन हो गया। सीने में दर्द की शिकायत के बाद परिजन उन्हें जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल की इमरजेंसी में लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने सीपीआर और अन्य उपचार के जरिए उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। चिकित्सकों के अनुसार सोहनी देवी की उम्र करीब 70 वर्ष थी और उन्हें पहले से शुगर व ब्लड प्रेशर की समस्या थी। परिजनों के मुताबिक वे नियमित रूप से इन बीमारियों का उपचार ले रही थीं और दवाइयां चल रही थीं। सोमवार को अचानक सीने में दर्द होने के बाद वह बेहोश हो गईं। इसके बाद परिजन उन्हें जयपुर स्थित आवास से तत्काल एसएमएस अस्पताल लेकर पहुंचे। अस्पताल की इमरजेंसी में चिकित्सकों ने उपचार शुरू किया और काफी प्रयास किए, लेकिन उनकी जान नहीं बच सकी। सोहनी देवी के निधन की खबर सामने आने के बाद चांदना परिवार और उनके परिचितों में शोक की लहर है। परिजनों के अनुसार अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उपचार के बावजूद स्थिति में सुधार नहीं हो सका। उनके निधन से परिवार को गहरा आघात पहुंचा है। सोहनी देवी लंबे समय से शुगर और ब्लड प्रेशर जैसी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का उपचार ले रही थीं। परिजनों के मुताबिक उनका नियमित उपचार चल रहा था और वे चिकित्सकों द्वारा बताई गई दवाइयां भी ले रही थीं। इसके बावजूद सोमवार को अचानक सीने में दर्द और बेहोशी की स्थिति बनने से परिवार में चिंता का माहौल हो गया। अचानक स्वास्थ्य बिगड़ने के बाद परिजनों ने बिना देरी किए उन्हें अस्पताल पहुंचाया। एसएमएस अस्पताल की इमरजेंसी में चिकित्सकों की टीम ने तत्काल उपचार शुरू किया और सीपीआर समेत आवश्यक चिकित्सकीय प्रयास किए, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। सोहनी देवी के निधन की सूचना मिलने के बाद चांदना परिवार से जुड़े लोगों और शुभचिंतकों ने दुख व्यक्त किया। सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोगों के भी परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करने की संभावना है। परिजनों और करीबियों के बीच शोक का माहौल बना हुआ है। परिवार के लिए यह घटना अचानक आई, ऐसे में उनके करीबी लोग अंतिम संस्कार और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं में जुटे रहे। सोहनी देवी के निधन से परिवार ने एक महत्वपूर्ण सदस्य को खो दिया है और उनके जाने से परिजनों में गहरा दुःख व्याप्त है।

राजस्थान/ प्रादेशिक

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मोती डूंगरी मंदिर में किए दर्शन

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को गणेश चतुर्थी के अवसर पर जयपुर स्थित मोती डूंगरी मंदिर में भगवान श्री गणेश के दर्शन किए। इस दौरान उन्होंने मंदिर में सपत्नीक विधिवत पूजा-अर्चना करते हुए प्रदेश की खुशहाली और समृद्धि के लिए कामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी प्रदेशवासियों को गणेश चतुर्थी के पर्व की शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने कामना की है कि विघ्नहर्ता-मंगलकर्ता भगवान श्री गणेश जी की कृपा से सभी प्रदेशवासियों के जीवन में खुशहाली और सुख समृद्धि आए। मुख्यमंत्री के मंदिर पहुंचने पर वहां मौजूद श्रद्धालुओं में भी उत्साह नजर आया। उन्होंने पूजा-अर्चना के दौरान प्रदेश की शांति, समृद्धि और सर्वांगीण विकास की कामना की। गणेश चतुर्थी के अवसर पर मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान गणेश के दर्शन के लिए पहुंचे और विधि-विधान से पूजा की। इस दौरान मंदिर परिसर में धार्मिक वातावरण बना रहा। श्रद्धालुओं ने भगवान श्री गणेश की आराधना कर परिवार की सुख-समृद्धि और मनोकामनाओं की पूर्ति की प्रार्थना की।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मोती डूंगरी मंदिर में किए दर्शन

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को गणेश चतुर्थी के अवसर पर जयपुर स्थित मोती डूंगरी मंदिर में भगवान श्री गणेश के दर्शन किए। इस दौरान उन्होंने मंदिर में सपत्नीक विधिवत पूजा-अर्चना करते हुए प्रदेश की खुशहाली और समृद्धि के लिए कामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी प्रदेशवासियों को गणेश चतुर्थी के पर्व की शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने कामना की है कि विघ्नहर्ता-मंगलकर्ता भगवान श्री गणेश जी की कृपा से सभी प्रदेशवासियों के जीवन में खुशहाली और सुख समृद्धि आए। मुख्यमंत्री ने भगवान श्री गणेश से प्रदेश में शांति, सौहार्द और समृद्धि बनाए रखने की प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि गणेश चतुर्थी का पर्व विघ्नहर्ता भगवान गणेश के प्रति आस्था प्रकट करने के साथ नई ऊर्जा और सकारात्मकता का संदेश भी देता है। उन्होंने प्रदेशवासियों के जीवन में सुख, शांति और सफलता की कामना की। मोती डूंगरी मंदिर में गणेश चतुर्थी को लेकर विशेष धार्मिक माहौल रहा। बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान गणेश के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए मंदिर पहुंचे। भक्तों ने परिवार की सुख-समृद्धि और मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए भगवान से प्रार्थना की।

अखिल भारतीय श्रीमाल जैन जागृति संस्था के सामूहिक क्षमावाणी कार्यक्रम के पोस्टर का आचार्य आदित्य सागर ने किया विमोचन

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। अखिल भारतीय श्रीमाल जैन जागृति संस्था के तत्वावधान में आगामी 4 अक्टूबर 2026, रविवार को राणाजी की नसिया, चूलगिरी में आयोजित होने वाले सामूहिक क्षमावाणी, गोठ एवं प्रतिभा सम्मान समारोह के पोस्टर का विमोचन सोमवार को जनकपुरी दिगंबर जैन मंदिर, ज्योति नगर में चातुर्मासरत परम पूज्य आचार्य श्री 108 आदित्य सागर जी महाराज के पावन सान्निध्य में किया गया।कार्यक्रम में आचार्य श्री का सान्निध्य प्राप्त करने की भावना से संस्था के सदस्यों ने उन्हें श्रीफल भेंट कर समारोह में पधारने हेतु विनम्र आमंत्रण दिया। प्रातःकालीन प्रवचन के पश्चात आचार्य श्री ने कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन किया तथा आयोजन की सफलता के लिए कार्यकारिणी सदस्यों को शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद प्रदान किया। आचार्य श्री ने समारोह में अपनी उपस्थिति की सहमति भी प्रदान की।इस अवसर पर मुनि श्री आनंद सागर जी का केशलोंच भी संपन्न हुआ। उपस्थित श्रावक-श्राविकाओं ने श्रद्धापूर्वक दर्शन कर आध्यात्मिक लाभ प्राप्त किया।समारोह में संस्था के संरक्षक जिनेंद्र कुमार–चंद्रकला जैन, अध्यक्ष अजय कुमार–संतोष जैन, सचिव डॉ. इंद्र कुमार–स्नेहलता जैन, कोषाध्यक्ष नवल–सुनीता जैन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुरेश जैन, पारस जैन, कैलाश जैन, नवल जैन, प्रचार सचिव सुनील , उपाध्यक्ष राकेश , महेश गोविंदपुरा, महेश जी चिरावंडा, शांत कुमार , विमल , सुमत सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।महिला मंडल की अध्यक्ष पिंकी जैन, सचिव संगीता जैन, तारा देवी एवं अनीता जैन सहित अन्य सदस्यों ने भी सहभागिता की।जनकपुरी दिगंबर जैन मंदिर कार्यकारिणी के अध्यक्ष बुद्धि प्रकाश , सचिव देवेंद्र , कोषाध्यक्ष दिलीप , महावीर बिंदायका, पदम बिलाला, सौभाग्य जी अजमेरा सहित अन्य श्रावक उपस्थित रहे।संस्था द्वारा आयोजित यह समारोह क्षमावाणी पर्व की पवित्र भावना, आत्मशुद्धि, परस्पर मैत्री एवं सामाजिक एकता को समर्पित होगा। आयोजकों के अनुसार कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में क्षमावाणी पर्व की भावना को मजबूत करने के साथ नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति, संस्कार और सामाजिक मूल्यों से जोड़ना है। आयोजन में क्षमा, विनम्रता और परस्पर सद्भाव का संदेश प्रमुख रहेगा।

दौसा नगर परिषद चुनाव परिणाम : 55 में से 24 वार्ड जीतकर कांग्रेस सबसे आगे

जयपुर, थिंक राजस्थान

दौसा। राजस्थान नगर निकाय चुनाव 2026 के तहत दौसा नगर परिषद के सभी 55 वार्डों के अंतिम नतीजे घोषित कर दिए गए हैं। घोषित परिणामों में कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है, हालांकि किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत (जादुई आंकड़ा 28) हासिल नहीं हो सका है। कुल 55 वार्डों में कांग्रेस ने 24, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 17 और निर्दलीय प्रत्याशियों ने 14 वार्डों पर परचम लहराया है। सभापति की कुर्सी तक पहुंचने के लिए कांग्रेस को केवल 4 और भाजपा को 11 पार्षदों के समर्थन की आवश्यकता है। ऐसे में बोर्ड गठन का पूरा दारोमदार 14 निर्दलीय पार्षदों के रुख पर टिक गया है। नतीजों के ऐलान के तुरंत बाद दोनों ही दलों के नेताओं ने निर्दलीयों से संपर्क साधना शुरू कर दिया है और पार्षदों की बाड़ेबंदी की सियासी जंग तेज हो गई है। 21 सितंबर को होने वाले सभापति चुनाव से पहले दौसा का सियासी पारा पूरी तरह गरमा चुका है।

कहीं BJP का दबदबा तो कहीं निर्दलीयों का दम, देखें बड़े नतीजे

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। राजस्थान के नगर निकाय चुनाव के नतीजों में भारतीय जनता पार्टी बढ़त बनाती नजर आ रही है। प्रदेश की 47 नगर परिषदों और 252 नगर पालिकाओं में हुए चुनाव के परिणामों में कई जगह भाजपा ने मजबूत प्रदर्शन किया है। अब तक सामने आए आंकड़ों के मुताबिक 20 नगर परिषदों में भाजपा, 17 में कांग्रेस और 10 में निर्दलीय उम्मीदवार आगे चल रहे हैं। बाड़मेर नगर परिषद में भाजपा ने करीब 15 साल बाद बहुमत हासिल किया है। यहां पार्टी के प्रत्याशियों ने 55 में से 29 वार्डों में जीत दर्ज की है। इस जीत को स्थानीय स्तर पर भाजपा के लिए बड़ी कामयाबी माना जा रहा है। वहीं जयपुर की वाटिका नगर पालिका में किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला है। 25 वार्डों वाली इस नगर पालिका में भाजपा ने 10 और कांग्रेस ने 6 वार्डों में जीत हासिल की है। खास बात यह रही कि प्रवीण के मामा और पूर्व सभापति मांगीलाल भाटी ने भाजपा प्रत्याशी का समर्थन किया था।

अलवर नगर निकाय चुनाव में पुलिस प्रशासन भाजपा एजेंट के रूप में कर रहा काम : टीकाराम जूली

एजेंसी, थिंक राजस्थान

अलवर। नगर निकाय चुनाव के परिणाम आने के बाद अलवर की सियासत में घमासान और तेज हो गया है। कांग्रेस के निर्वाचित पार्षदों को कथित बाड़ेबंदी और उन्हें पुलिस द्वारा उठाए जाने के दावे को लेकर नेता प्रतिपक्ष एवं अलवर ग्रामीण विधायक टीकाराम जूली सोमवार को कांग्रेस के जीते हुए पार्षदों के साथ एसपी कार्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए भाजपा सरकार, पुलिस और प्रशासन पर जमकर निशाना साधा। जूली ने आरोप लगाया कि केंद्रीय मंत्री और राज्यमंत्री के इशारे पर अलवर में लोकतंत्र का मखौल उड़ाया जा रहा है और नगर निकाय चुनाव के बाद पुलिस एवं प्रशासन भाजपा के एजेंट के रूप में काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के निर्वाचित पार्षदों को गुंडागर्दी के जरिए उठाने की जरूरत नहीं है। यदि भाजपा को पार्षद चाहिए तो कांग्रेस स्वयं उन्हें सौंपने के लिए तैयार है। टीकाराम जूली ने तीखे अंदाज में कहा कि भाजपा को यदि बोर्ड बनाने की इतनी ही लालसा है तो कांग्रेस के पार्षदों को जबरन उठाने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा, "हम खुद पार्षदों को लेकर एसपी कार्यालय आए हैं। ले जाइए हमारे पार्षद, लेकिन लोकतंत्र की हत्या मत कीजिए।" जूली ने आरोप लगाया कि भाजपा पूर्ण बहुमत हासिल नहीं कर पाने के कारण बौखलाई हुई है और अब सत्ता के दबाव में पुलिस-प्रशासन का इस्तेमाल कर बोर्ड बनाने की कोशिश की जा रही है।

विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता : राजेश यादव

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। स्कूल शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजेश यादव ने सोमवार को शासन सचिवालय में स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल योजना सहित विभिन्न आवासीय विद्यालयों एवं छात्रावासों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को अध्यापकों एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति, विद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता, विद्यार्थियों के नामांकन,मानव संसाधन,आधारभूत सुविधाओं तथा निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के साथ समयबद्ध रूप से पूरा करने के निर्देश दिए। अतिरिक्त मुख्य सचिव यादव ने प्रदेश के मॉडल स्कूलों में रिक्त पदों की स्थिति की समीक्षा करते हुए आवश्यक कार्यवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यालयों में उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने मॉडल स्कूलों के परीक्षा परिणामों में और सुधार के लिए विषयवार विश्लेषण एवं आवश्यक शैक्षणिक गतिविधियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने निर्माणाधीन भवनों में भूमि, बिजली, पानी एवं अन्य लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण करते हुए कार्यों को निर्धारित समयावधि में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए भवन निर्माण के साथ आवश्यक मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता भी सुनिश्चित की जाए। एसीएस ने कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी), नेताजी सुभाष चंद्र बोस आवासीय विद्यालय, स्वामी विवेकानंद मॉडल स्कूल छात्रावास, पीएम-जनमन एवं डीएजेजीयू के अंतर्गत संचालित एवं निर्माणाधीन छात्रावासों की प्रगति की भी समीक्षा की। केजीबीवी में कुल 51 हजार 950 विद्यार्थियों की क्षमता के विरुद्ध 46 हजार 668 बालिकाएं नामांकित हैं। वहीं नेताजी सुभाष चंद्र बोस आवासीय विद्यालयों सहित अन्य आवासीय संस्थानों में भी नामांकन की स्थिति की समीक्षा की गई। उन्होंने अधिकारियों को शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय स्तर पर व्यापक प्रयास करने के निर्देश दिए गए। स्वामी विवेकानंद मॉडल स्कूलों के 25 छात्रावासों में 22 संचालित हैं और 3 निर्माणाधीन हैं।

राजस्थान की पहली लोक संगीत वाद्य गैलरी का जैसम फाउंडेशन ने किया लोकार्पण

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। राजस्थान की समृद्ध लोक संगीत परंपरा और पारंपरिक वाद्य यंत्रों के संरक्षण की दिशा में जैसम फाउंडेशन की ओर से एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। राजस्थान की पहली लोक संगीत वाद्य गैलरी का जयपुर में लोकार्पण किया गया। इस गैलरी में प्रदेश के विभिन्न अंचलों में संगीतज्ञ जातियों द्वारा बनाए और बजाए जाने वाले 100 से अधिक पारंपरिक लोक वाद्य यंत्रों को प्रदर्शित किया गया है। जैसम फाउंडेशन की ओर से स्थापित इस गैलरी का उद्देश्य राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत, पारंपरिक लोक संगीत, गीत, नृत्य, लोक वाद्य और हस्तकला के संरक्षण एवं संवर्धन को बढ़ावा देना है। यहां बूंद, मेवाड़, मेवात, मारवाड़, वागड़, हाड़ौती और शेखावाटी क्षेत्रों के वाद्य यंत्रों को प्रदर्शित किया गया है।

झोटवाड़ा में भाजपा का मजबूत प्रदर्शन, नतीजों में दिखा विकास और संगठन का असर

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। नगर निगम चुनाव में झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के वार्ड 23 से 37 तक आए नतीजों में भाजपा का मजबूत जनाधार सामने आया है। अब तक घोषित परिणामों में कांग्रेस की हिस्सेदारी सीमित रही है, जबकि अधिकांश वार्डों में भाजपा प्रत्याशी, भाजपा से लंबे समय से जुड़े स्थानीय चेहरे विजयी हुए हैं। भाजपा का दावा है कि नतीजों को पिछले ढाई वर्षों में झोटवाड़ा में हुए बदलाव के संदर्भ में भी देखा जा रहा है। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ के नेतृत्व में सड़क, ड्रेनेज, सीवरेज, पेयजल, स्वास्थ्य और दूसरी बुनियादी नागरिक सुविधाओं से जुड़े कई काम पूरे हुए हैं, जबकि अनेक बड़ी परियोजनाएं अभी अलग-अलग चरणों में आगे बढ़ रही हैं।

खास बात यह है कि मौजूदा विधानसभा कार्यकाल अभी आधा ही पूरा हुआ है। इस दौरान कई ऐसी बुनियादी समस्याओं पर काम शुरू हुआ है, जिनका समाधान लंबे समय से अपेक्षित था। विकास कार्यों के साथ क्षेत्र में लगातार जनसंवाद और बूथ स्तर तक संगठन की सक्रियता ने भी भाजपा की जमीनी पकड़ को मजबूत किया है। स्थानीय चुनावों में मतदाता के लिए उसके आसपास दिखाई देने वाला बदलाव एक महत्वपूर्ण कसौटी होता है। झोटवाड़ा के नतीजों में भी विकास, स्थानीय नेतृत्व और संगठन तीनों का असर दिखाई देता है। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ के नेतृत्व में भाजपा को मिला यह समर्थन आने वाले ढाई वर्षों में चल रहे कार्यों को पूरा करने और विकास की गति को और तेज करने की जिम्मेदारी भी देता है। नतीजों के बाद कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, झोटवाड़ा के मतदाताओं और भाजपा कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया तथा सभी विजयी पार्षदों को बधाई दी। चुनाव परिणामों के बाद अब भाजपा के सामने इस जनसमर्थन को क्षेत्र के विकास कार्यों में बदलने की चुनौती होगी। वार्डों में निर्वाचित पार्षदों से स्थानीय समस्याओं के त्वरित समाधान की अपेक्षा रहेगी।

उदयपुर नगर निगम चुनाव : सातवीं बार BJP का बोर्ड बनना तय, बीजेपी के सभी दिग्गज जीते, 80 में से 54 सीटें बीजेपी के खाते में

एजेंसी, थिंक राजस्थान

उदयपुर। उदयपुर नगर निगम चुनाव 2026 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) लगातार सातवीं बार अपना बोर्ड बनना लगभग तय है। सूरजपोल स्थित राजस्थान कृषि महाविद्यालय (RCA) में चल रही मतगणना में ज्यादातर वार्डों के नतीजे घोषित हो चुके हैं। अब तक आए परिणामों में भाजपा ने 54 वार्डों पर जीत दर्ज की है। बहुमत के लिए 41 सीटें चाहिए। जबकि कांग्रेस के खाते में 22 सीटें और निर्दलीय उम्मीदवारों को 3 वार्डों में जीत मिली है। मेयर पद के दावेदार जीतः वार्ड संख्या 51 से भाजपा के महापौर पद के सबसे प्रबल दावेदार प्रमोद सामर ने कांग्रेस के गजेंद्र सिंह को मात दी। वार्ड संख्या 24 से पूर्व डिप्टी मेयर और मेयर पद के दावेदार पारस सिंघवी 1680 मतों से विजयी रहे। गुलाबचंद कटारिया के रिश्तेदारों की जीतः पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया के दोनों दामादों के भाइयों ने जीत हासिल की है। वार्ड 5 से आकाश वागरेचा और वार्ड 78 से अतुल चंडालिया (दोनों भाजपा) पार्षद चुने गए हैं। विधायक के वार्ड में भाजपा को झटकाः उदयपुर ग्रामीण से भाजपा विधायक फूलसिंह मीणा के गृह क्षेत्र वार्ड 60 में भाजपा को हार का सामना करना पड़ा; यहाँ भाजपा की बागी खुशबू मेहता निर्दलीय चुनाव जीत गईं। इसके अलावा वार्ड 61 से इंद्रा डांगी और वार्ड 11 से कमलेश बोराणा निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में जीते। गिरिजा व्यास की भतीजा बहू विजयीः वार्ड संख्या 73 से पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. गिरिजा व्यास की भतीजा बहू डॉ. हितांशी शर्मा (कांग्रेस) ने भाजपा की लवली जैन को हराया। उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन द्वारा इस क्षेत्र को लेकर दिए गए विवादित बयान के चलते यह सीट काफी चर्चा में थी। शहर कांग्रेस अध्यक्ष की पत्नी जीतीं: वार्ड 17 से कांग्रेस के शहर जिलाध्यक्ष फतेह सिंह राठौड़ की पत्नी डॉ. पूनम राठौड़ ने 505 मतों से जीत दर्ज की।

अजमेर DST व रामगंज पुलिस की संयुक्त कार्रवाई, एक आरोपी की तलाश जारी

एजेंसी, थिंक राजस्थान

अजमेर। साइबर ठगों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत अजमेर जिला स्पेशल टीम (DST) और रामगंज थाना पुलिस ने संयुक्त रूप से बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस ने लाखों रुपये की ऑनलाइन ठगी के मामले में फरार चल रहे 5-5 हजार रुपये के तीन इनामी आरोपियों को दबोचने में सफलता हासिल की है।म्यूल बैंक खातों के जरिए हुआ था 25 लाख से अधिक का फ्रॉड राज्य में साइबर अपराध पर लगाम लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के दौरान पुलिस मुख्यालय से रामगंज थाने को दो संदिग्ध (म्यूल) खातों की जानकारी मिली थी। साइबर पोर्टल 1930 पर इन खातों से संबंधित कुल 25,17,294 रुपये के फ्रॉड का रिकॉर्ड दर्ज था। जांच में सामने आया कि आरोपियों ने खाताधारक प्रदीप सिंह के साथ आपराधिक षड्यंत्र रचकर ठगी की और विभिन्न खातों में हेरफेर करते हुए अपने बैंक खाते में 72,633.30 रुपये धोखाधड़ी से प्राप्त किए। इसके बाद थाना रामगंज में बीएनएस की धारा 316(2), 318(4) व 61(2) के तहत मुकदमा दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया। मामले में नाम सामने आने के बाद तीनों आरोपी अपनी पहचान छिपाकर अजमेर और जयपुर में फरारी काट रहे थे। लगातार दबिश के बावजूद आरोपियों के हाथ न आने पर जिला पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला ने 2 सितंबर को प्रत्येक आरोपी की गिरफ्तारी पर 5000-5000 रुपये का इनाम घोषित किया था। 13 सितंबर को डीएसटी प्रभारी सउनि शंकर सिंह रावत और कांस्टेबल रामनिवास को मुखबिर से पुख्ता सूचना मिली कि तीनों फरार आरोपी नवाब का बेड़ा, आशागंज इलाके में देखे गए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर गठित विशेष टीम ने बताए गए ठिकाने पर दबिश दी और तीनों को मौके पर ही धर दबोचा। राजकुमार मंघानी (61 वर्ष) पुत्र जीवतराम, निवासी कविता वॉच दुकान के ऊपर, नवाब का बेड़ा, अजमेर। शानु मंघानी (60 वर्ष) पत्नी राजकुमार मंघानी, निवासी कविता वॉच दुकान के ऊपर, नवाब का बेड़ा, अजमेर।

मनोरंजन समाचार

पश्मीना रोशन ने घर पर किया गणपति बप्पा का स्वागत, शेयर कीं त्योहार की प्यारी तस्वीरें

अभिनेत्री पश्मीना रोशन ने गणेश चतुर्थी के मौके पर अपने घर गणपति बप्पा का स्वागत करते हुए सोशल मीडिया पर पूजा और सेलिब्रेशन की कुछ खूबसूरत तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें उनके घर के त्योहार की झलक देखने को मिल रही है। लाल साड़ी में पश्मीना बेहद खूबसूरत लग रही हैं। उन्होंने फूलों, दीयों और लाल रंग की सजावट से सजे गणपति बप्पा की मूर्ति के साथ तस्वीरें खिंचवाई हैं। इसी के साथ घर की सजावट में पारंपरिक अंदाज साफ नजर आ रहा है। एक तस्वीर में पश्मीना फूलों की सजावट के पास पोज देती दिख रही हैं, तो दूसरी तस्वीर में गणपति बप्पा की सुंदर मूर्ति की झलक देखने को मिल रही है। साड़ी के साथ उनकी ज्वेलरी और चूड़ियां उनके पारंपरिक लुक को और निखार रही हैं। तस्वीरें शेयर करते हुए पश्मीना ने अपने फैंस को दिल वाले इमोजी के साथ "हैपी गणेश चतुर्थी" कहते हुए शुभकामनाएं भी दी हैं। पश्मीना की इन तस्वीरों ने त्योहार की खुशियों को और बढ़ा दिया है। फैंस भी उनकी तस्वीरों पर प्यार बरसा रहे हैं और गणपति बप्पा से आशीर्वाद की कामना कर रहे हैं। पश्मीना की तस्वीरों में त्योहार के प्रति उनकी आस्था और उत्साह साफ नजर आ रहा है। पोस्ट पर फैंस ने कमेंट कर उन्हें गणेश चतुर्थी की शुभकामनाएं दीं और उनके घर पर आए गणपति बप्पा से सुख-समृद्धि की कामना की। अभिनेत्री की पोस्ट में घर का सजावटी अंदाज भी लोगों का ध्यान खींच रहा है।

चुंबक' की अभिनेत्री संदीपा धर बोलीं, 'हीरोइन' नहीं, दमदार अभिनेत्री के रूप में बनाना चाहती हूं पहचान

अभिनेत्री संदीपा धर हाल ही में नेटफ्लिक्स की ओरिजिनल सीरीज 'चुंबक' में नजर आईं। उन्होंने अपने करियर में कॉमेडी, थ्रिलर, ड्रामा और इमोशनल कहानियों में अलग-अलग तरह के भूमिका निभाने की कोशिश की। संदीपा का मानना है कि एक कलाकार की पहचान तभी मजबूत होती है, जब वह खुद को बार-बार अलग भूमिकाओं में आजमाने से न डरे। आईएएनएस संग बातचीत में उन्होंने कहा कि उनके लिए सिर्फ 'हीरोइन' कहलाना कभी मकसद नहीं रहा। वह चाहती हैं कि लोग उन्हें एक ऐसी अभिनेत्री के तौर पर पहचानें, जो अलग-अलग तरह के किरदार निभाने की काबिलियत रखती है। संदीपा ने कहा, "मेरा फोकस हमेशा एक एक्टर के तौर पर अपनी पहचान बनाने पर रहा है। मेरे लिए यह ज्यादा जरूरी है कि लोग मेरी एक्टिंग को नोटिस करें और मुझे अलग-अलग किरदार निभाने वाली अभिनेत्री के तौर पर याद रखें। 'हीरोइन' का टैग कोई मंजिल नहीं है, बल्कि एक कलाकार के लिए असली चुनौती अपने काम के जरिए पहचान बनाना है।'' संदीपा ने कहा, "मैंने फिल्मों के साथ-साथ डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी काम किया है। ओटीटी ने कलाकारों को ऐसा स्टेज दिया है, जहां वह अलग तरह की कहानियों और किरदारों के साथ एक्सपेरिमेंट कर सकते हैं। पहले जहां कलाकारों की एक खास इमेज बन जाने के बाद उन्हें उसी तरह के रोल ज्यादा मिलने लगते थे, वहीं ओटीटी पर अलग-अलग तरह के किरदारों के जरिए अपनी रेंज दिखाने के ज्यादा मौके मिल रहे हैं।'' अभिनेत्री ने आगे कहा, जेडी मजेठिया और आतिश कपाड़िया की बनाई इस कॉमेडी-ड्रामा सीरीज में उनके साथ नीना गुप्ता, देवेन भोजानी, अर्जुन बिजलानी, हेली शाह, मानसी पारेख, सुमीत व्यास, सुमीत राघवन, अनंत वी. जोशी, अमायरा दस्तूर, डेलनाज ईरानी और अतुल कुमार जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में हैं। संदीपा धर की सीरीज 'चुंबक' का प्रीमियर 10 सितंबर को नेटफ्लिक्स पर हुआ।

धनुष ने शेयर की खास फैमिली फोटो, कहा- 'मेरी दुआएं और आशीर्वाद'

साउथ सुपरस्टार धनुष ने रविवार को सोशल मीडिया पर अपनी मां और दोनों बहनों के साथ एक खूबसूरत फैमिली फोटो शेयर की। अभिनेता ने अपनी जिंदगी की इन तीन सबसे खास महिलाओं को "मेरे आशीर्वाद" बताया। धनुष ने इंस्टाग्राम पर शेयर की गई तस्वीर में अपनी मां और बहनों के साथ मुस्कुराते हुए पोज दिया। फोटो में उनकी मां और बहनें सोफे पर बैठी नजर आ रही हैं, जबकि धनुष अपनी मां के पैरों के पास फर्श पर बैठे दिखाई दे रहे हैं। इस तस्वीर के साथ धनुष ने कैप्शन में लिखा, "मेरा आशीर्वाद", साथ ही लाल और सफेद दिल वाले कई इमोजी भी साझा किए।

'हनुमान अंश' की सफलता के बाद अब 'राम बोला' डायरेक्ट करेंगे विशाल चतुर्वेदी, नई फिल्म का किया ऐलान

'हनुमान अंश' को पूरे देश से खूब तारीफ मिल रही है। मशहूर हस्तियों और नेताओं ने भी फिल्म की कहानी की जमकर सराहना की। विशाल चतुर्वेदी द्वारा लिखित और निर्देशित यह फिल्म नीम करौली बाबा के जीवन और शिक्षाओं पर आधारित है। इसमें शोभिनव सत्या मुख्य भूमिका में हैं। सोमवार को यह घोषणा की गई कि विशाल अपनी अगली फिल्म गोस्वामी तुलसीदास के जीवन पर बनाएंगे। सिनेमाघरों में 'हनुमान अंश' 39 दिन से बॉक्स ऑफिस पर छप्परफाड़ कमाई कर रही है, जिसने भारत में अब तक का कुल ग्रॉस कलेक्शन 260.96 करोड़ और कुल नेट कलेक्शन 220.91 करोड़ हो गया है। प्रोडक्शन बैनर, महावीर जैन फिल्म्स ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक जॉइंट पोस्ट के जरिए यह जानकारी दी। फिल्म का नाम 'राम बोला' है। पोस्ट के कैप्शन में क्रू के बारे में जानकारी दी गई। इसमें लिखा था, 'बप्पा के आशीर्वाद से इस शुभ दिन पर विनम्रता और कृतज्ञता के साथ हम आपके लिए राम बोला लेकर आए हैं। गोस्वामी तुलसीदास की अमर कहानी। विशाल चतुर्वेदी द्वारा लिखित और निर्देशित। महावीर जैन, विशाल चतुर्वेदी, अमित उपाध्याय और राघवेंद्र सिंह द्वारा निर्मित। महावीर जैन फिल्म्स द्वारा प्रस्तुत।' महाकवि गोस्वामी तुलसीदास 16वीं सदी के एक महान वैष्णव संत और कवि थे। भगवान राम के प्रति अपनी भक्ति के लिए मशहूर तुलसीदास को 'रामचरितमानस' के जरिए रामायण की कहानी को लोकप्रिय बनाने का श्रेय दिया जाता है।

उन्होंने इसे आम बोलचाल की भाषा अवधी में लिखा था। विशाल चतुर्वेदी द्वारा लिखित और निर्देशित 'हनुमान अंश' नीम करौली बाबा के जीवन पर आधारित है। उनके भक्त उन्हें भगवान हनुमान का अवतार मानते हैं। 2 करोड़ के कम बजट में बनी इस फिल्म ने उम्मीद से कहीं बेहतर प्रदर्शन किया है। भारत में रिलीज हुई इस फिल्म ने पहले दिन 10 लाख कमाए थे। हालांकि, कुछ दिनों बाद इसकी कमाई में जबरदस्त उछाल आया और यह एक सफल फिल्म बन गई। 'हनुमान अंश' ने अब भारत में 200 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। यह 18 सितंबर को तेलुगु भाषा में रिलीज होगी। सैकनिल्क के अनुसार रिलीज के दिन 'हनुमान अंश' ने बॉक्स ऑफिस पर 10 लाख की कमाई की। शुरुआती दो हफ्तों में फिल्म का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन बहुत कम रहा और इसने सिर्फ 1.48 करोड़ कमाए। फिल्म के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन में 17वें दिन से बढ़त देखी गई, जब इसने 2.20 करोड़ कमाए। सोशल मीडिया पर दर्शकों से तारीफ मिलने और लोगों के बीच फिल्म की अच्छी चर्चा शुरू होने के बाद थिएटर में दर्शकों की संख्या बढ़ने लगी। तुलसीदास का साहित्य भारतीय धार्मिक और सांस्कृतिक परंपरा में विशेष स्थान रखता है। 'रामचरितमानस' के माध्यम से भगवान राम की कथा को जन-जन तक पहुंचाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। ऐसे व्यक्तित्व पर फिल्म बनाते समय ऐतिहासिक संदर्भ, धार्मिक भावनाओं और सिनेमाई प्रस्तुति के बीच संतुलन बनाए रखना अहम होगा।

नायला ग्रेवाल ने महिलाओं के मुद्दों पर उठाई आवाज, बोलीं- 'अगर हम एक-दूसरे का साथ नहीं देंगे, तो कौन देगा?'

'थप्पड़' जैसी फिल्म में काम कर चुकीं अभिनेत्री नायला ग्रेवाल ऐसी कहानियों का हिस्सा बनना चाहती हैं, जो समाज से जुड़े जरूरी सवाल उठाएं। उनका मानना है कि महिलाओं से जुड़े मुद्दों को सिनेमा में लगातार जगह मिलनी चाहिए। आईएएनएस संग बातचीत में नायला ने कहा कि फिल्मों में जब महिलाओं की जिंदगी, उनकी परेशानियों और उनके अधिकारों से जुड़ी बातें सामने आती हैं, तो उन पर समाज में बातचीत भी शुरू होती है। आईएएनएस से बात करते हुए नायला ने कहा, "महिलाओं से जुड़े मुद्दे मेरे लिए काफी मायने रखते हैं। मैं इस विषय को लेकर खुद काफी जागरूक हूं और ऐसी फिल्म में काम करना चाहती हूं, जो महिलाओं से जुड़े मुद्दों को विस्तार से दिखाए। पिछले कुछ सालों में इस तरह की फिल्मों की संख्या में थोड़ी कमी आई है और अब पहले की तरह महिलाओं से जुड़े जरूरी विषयों पर पर्याप्त फिल्में देखने को नहीं मिल रही हैं।" नायला ने इस दौरान 'थप्पड़' फिल्म की को-स्टार तापसी पन्नू की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, "मैं खुद को खुशकिस्मत मानती हूं कि मुझे 'थप्पड़' जैसी फिल्म में काम करने का मौका मिला। अनुभव सिन्हा के निर्देशन में बनी इस फिल्म में तापसी ने घरेलू हिंसा और एक थप्पड़ के जरिए रिश्ते में सम्मान और बराबरी जैसे मुद्दों को सामने रखा था। तापसी ने अपने करियर में कई ऐसी फिल्मों का हिस्सा बनकर महिलाओं से जुड़े मुद्दों को सामने लाने की कोशिश की है।" अभिनेत्री ने तापसी की आने वाली फिल्म 'गांधारी' का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, "यह फिल्म बच्चों की तस्करी जैसे मुद्दे पर बात करती है और महिलाओं से जुड़े मुद्दों को सामने लाने की अहमियत बताती है। मैं खुद भी ऐसी फिल्मों का हिस्सा बनना चाहती हूं, जो इस सोच को आगे बढ़ाएं और लोगों को इन मुद्दों के बारे में सोचने पर मजबूर करें।" इसी बात को आगे बढ़ाते हुए नायला ने महिलाओं की एक-दूसरे के प्रति जिम्मेदारी पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, ''महिलाओं को दूसरी महिलाओं का साथ देना चाहिए और उन्हें आगे बढ़ने का मौका देना चाहिए। अगर महिलाएं ही एक-दूसरे को सपोर्ट नहीं करेंगी, तो फिर इस बदलाव की शुरुआत कौन करेगा। मेरी नजर में यह सिर्फ फिल्म इंडस्ट्री की बात नहीं है बल्कि समाज में महिलाओं के लिए बेहतर माहौल बनाने की जिम्मेदारी सभी की है।'' अभिनेत्री ने कहा, "महिलाओं से जुड़े जरूरी मुद्दों पर फिल्म बनाने से पहले सिर्फ बॉक्स ऑफिस के आंकड़ों के बारे में सोचना सही नहीं है। ऐसी कहानियों की अहमियत उनकी कमाई से कहीं ज्यादा होती है। यह सवाल नहीं होना चाहिए कि फिल्म में कौन सा बड़ा पुरुष स्टार है या फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कितना कमा पाएगी। अगर कहानी जरूरी है, तो उसे सामने आना चाहिए।" नायला का मानना है कि सिनेमा सिर्फ मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि समाज में संवाद शुरू करने का प्रभावी जरिया भी है। उनके अनुसार जब किसी फिल्म में महिलाओं की वास्तविक जिंदगी और उनसे जुड़े सवालों को ईमानदारी से दिखाया जाता है, तो दर्शकों के बीच उन विषयों को लेकर चर्चा शुरू होती है। यही वजह है कि वह भविष्य में भी अर्थपूर्ण और सामाजिक सरोकार वाली कहानियों का हिस्सा बनना चाहती हैं। अभिनेत्री के मुताबिक महिला केंद्रित फिल्मों की सफलता को केवल कमाई के आधार पर नहीं देखा जाना चाहिए। कई बार किसी फिल्म का प्रभाव बॉक्स ऑफिस के आंकड़ों से आगे जाकर दर्शकों की सोच और सामाजिक बातचीत में दिखाई देता है। उनका मानना है कि फिल्मकारों को ऐसे विषयों पर कहानी कहने का साहस बनाए रखना चाहिए, जिन पर समाज में खुलकर चर्चा कम होती है। नायला ने महिलाओं के बीच आपसी सहयोग को भी जरूरी बताया। उनका कहना है कि व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन में महिलाओं को एक-दूसरे के अनुभवों को समझते हुए आगे बढ़ने में सहयोग करना चाहिए। उनके अनुसार महिलाओं को अवसर मिलने से न केवल उनकी व्यक्तिगत स्थिति मजबूत होती है, बल्कि समाज में भी सकारात्मक बदलाव की संभावना बढ़ती है। अभिनेत्री ने यह भी कहा कि महिलाओं से जुड़े विषय केवल महिलाओं की जिम्मेदारी नहीं हैं। परिवार, समाज, संस्थाओं और मनोरंजन उद्योग सभी की भूमिका इसमें महत्वपूर्ण है। फिल्मों के जरिए घरेलू हिंसा, समानता, सम्मान, अधिकार और महिलाओं की स्वतंत्रता जैसे मुद्दों पर बातचीत को बढ़ावा दिया जा सकता है। जिनका दर्शकों पर भावनात्मक और सामाजिक प्रभाव पड़े। आने वाले समय में उनके प्रशंसकों की नजर इस बात पर रहेगी कि वह किन नए प्रोजेक्ट्स के जरिए इन विचारों को पर्दे पर आगे बढ़ाती हैं।

सामंथा रुथ प्रभु की हुई गोद भराई, पीले कपड़ों में निभाई रस्में, पति राज निदिमोरु ने लुटाया प्यार

सामंथा रुथ प्रभु अपनी जिंदगी के सबसे अच्छे दौर का मजा ले रही हैं। सामंथा अपने पति राज निदिमोरु के साथ अपने पहले बच्चे का स्वागत करने का इंतजार कर रही हैं। 1 दिसंबर 2025 को एक्ट्रेस सामंथा ने फिल्ममेकर राज से शादी की थी। शादी के छह महीने के अंदर ही सामंथा की प्रेग्नेंसी की अफवाहें शुरू हो गई। हाल ही में एक इंटरव्यू में सामंथा ने बताया कि यह प्रेग्नेंसी उनके लिए एक सरप्राइज थी। अब सामंथा रुथ प्रभु ने अपने ट्रेडिशनल बेबी शावर की तस्वीरें और वीडियो शेयर की है, जिनमें वह अपने पति के साथ अपनी पारंपरिक गोद भराई की रस्म मनाती हुई नजर आ रही हैं। सामंथा ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपनी पारंपरिक गोद भराई की रस्म के कुछ खूबसूरत पल शेयर किए। इसमें 'कला आवरण' (श्री कल्पम), अभिषेक और दूसरी रस्में जैसी पवित्र रस्में शामिल थीं। कुछ तस्वीरों में सामंथा सरसों के रंग का अनारकली सूट पहने हुए दिखीं। पहले वीडियो में 'द फैमिली मैन 2' की एक्ट्रेस पर पवित्र जल डाला जा रहा था और साथ ही मंत्रों का उच्चारण हो रहा था। ये रस्में मां और बच्चे की भलाई के लिए की गई थीं। सामंथा रुथ प्रभु ने कहा कि वह हमेशा से भारतीय परंपराओं का सम्मान करती आई हैं, भले ही उन्हें हर रस्म का मतलब न पता हो। उनका मानना है कि पुरानी रस्मों, मंत्रों और उनके जाप का गहरा आध्यात्मिक महत्व होता है।

गोविंदा के बिना सुनीता आहूजा ने बच्चों संग विराजे गणपति बप्पा, क्यों मौजूद नहीं रहे 'हीरो नंबर 1'?

सोशल मीडिया पर गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा के गणपति बप्पा को घर लाने के वीडियो वायरल हो रहे हैं। 'लॉक अपः सच या सजा' की कंटेस्टेंट बप्पा का घर में स्वागत करते हुए डांस करती दिखीं। हालांकि, लोगों ने वीडियो पर कमेंट किया कि 'गोविंदा कहां हैं?' अब आखिरकार सुनीता ने बताया है कि एक्टर कहां हैं। ANI से बातचीत में 'हीरो नंबर 1' की पत्नी सुनीता ने बताया कि गोविंदा गणेश चतुर्थी के सेलिब्रेशन से क्यों गायब हैं और कब तक घर वापस आएंगे। सुनीता आहूजा अपने घर में गणपति बप्पा के स्वागत की खुशी मना रही हैं। इस साल सुनीता खुद गणपति बप्पा को घर लाईं। उन्होंने बताया कि उनके पति-एक्टर गोविंदा अभी अमेरिका में हैं और बाद में लौटेंगे। ANI से बात करते हुए सुनीता ने कहा कि आमतौर पर गोविंदा और उनके बेटे यशवर्धन भगवान गणेश को घर लाते हैं, लेकिन इस बार उन्होंने खुद यह जिम्मेदारी उठाने का फैसला किया। सुनीता ने बताया: 'इस बार मैं गणपति को बहुत नाच-गाने के साथ घर लाई, आम तौर पर गोविंदा जी या यशवर्धन उन्हें लाते हैं। पिछले एक साल में बप्पा ने मुझे बहुत शोहरत दी है। मैंने कड़ी मेहनत की है और मेरे लिए सब कुछ बहुत अच्छा रहा है। इसलिए, मैंने तय किया कि मैं भगवान गणेश को अपने हाथों से लाऊंगी।' सुनीता ने आहूजा परिवार में लंबे समय से चली आ रही गणपति परंपरा के बारे में भी बात की और बताया कि इसकी शुरुआत उनकी दिवंगत सास निर्मला देवी ने की थी। सुनीता ने कहा कि वह हर साल इस परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध रही हैं। त्योहार के बारे में बात करते हुए सुनीता आहूजा ने कहा कि उन्हें गणेश चतुर्थी के दौरान घर में त्योहार का माहौल बहुत पसंद है। उन्होंने

कहा: 'गणपति की परंपरा मेरी स्वर्गीय सास निर्मला देवी ने शुरू की थी। मैंने हमेशा कहा है कि जब तक मैं जिंदा हूं, हर साल गणपति बप्पा को लाती रहूंगी। यह परंपरा तब से चली आ रही है और जब तक मैं यहां हूं, चलती रहेगी। मैं हमेशा डेढ़ दिन के लिए गणपति को रखती हूं, क्योंकि अगर उन्हें ज्यादा दिनों के लिए रखा जाए तो पूजा और बाकी सभी रस्में उसी हिसाब से करनी पड़ती हैं।' इस साल के जश्न में जहां सुनीता सबसे आगे थीं तो वहीं गोविंदा अमेरिका में थे।

सार समाचार

शांति और रणनीतिक स्वायत्तता में भारत-वियतनाम के साझा हित: ले होई ट्रंग

नई दिल्ली। वियतनाम के विदेश मंत्री ले होई ट्रंग ने सोमवार को कहा कि शांति, स्थिरता और रणनीतिक स्वायत्तता की रक्षा करने तथा एक खुले और समावेशी क्षेत्रीय व्यवस्था को बढ़ावा देने के मामले में वियतनाम और भारत के साझा रणनीतिक हित हैं। वियतनाम के विदेश मंत्री ले होई ट्रंग ने सोमवार को नई दिल्ली में विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ बैठक के दौरान अंतरराष्ट्रीय माहौल की बढ़ती जटिलताओं का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि शांति, स्थिरता, रणनीतिक स्वायत्तता और एक खुले एवं समावेशी क्षेत्रीय ढांचे को बनाए रखने के मामले में भारत और वियतनाम के मजबूत साझा हित हैं। उन्होंने कहा, "हम सभी जानते हैं कि आज अंतरराष्ट्रीय परिवेश लगातार अधिक जटिल होता जा रहा है। ऐसे समय में वियतनाम और भारत शांति, स्थिरता, रणनीतिक स्वायत्तता तथा एक खुले और समावेशी क्षेत्रीय ढांचे के संरक्षण में समान हित साझा करते हैं। दोनों देश अपने-अपने विकास के महत्वपूर्ण चरण से गुजर रहे हैं। वियतनाम 2045 के अपने विकास दृष्टिकोण और भारत 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य के मार्गदर्शन में आगे बढ़ रहा है।" उन्होंने कहा, "हमें पूरा विश्वास है कि हमारे द्विपक्षीय संबंध और सहयोग न केवल दोनों देशों के हित में हैं, बल्कि क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर शांति, स्थिरता और सहयोग को भी मजबूत करेंगे।" ट्रंग ने नई दिल्ली में आयोजित 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की सफल मेजबानी के लिए भारत को बधाई देते हुए कहा कि इस बैठक ने वैश्विक समुदाय के साझा उद्देश्यों में योगदान देने की ब्रिक्स की बढ़ती क्षमता को प्रदर्शित किया है।

हूतियों का दावा : सऊदी अरब ने यमन के ताइज़ और सादा में की एयर स्ट्राइक; तेल आपूर्ति बाधित होने की आशंका

सना/रियाद। यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोही समूह ने दावा किया है कि सऊदी अरब के लड़ाकू विमानों ने यमन के ताइज और सादा इलाकों में हवाई हमले किए हैं। हूतियों द्वारा संचालित टेलीविजन चैनल 'अल-मसीरा' के अनुसार, सऊदी विमानों ने ताइज के उन क्षेत्रों को निशाना बनाया है जहां हूतियों ने हाल के दिनों में सरकारी सुरक्षा बलों के खिलाफ सैन्य बढ़त बनाई थी। इसके अतिरिक्त, उत्तरी यमन में हूतियों के मुख्य गढ़ माने जाने वाले सादा में भी कई ठिकानों पर बमबारी किए जाने की बात कही गई है। इससे पूर्व, हूती सैन्य प्रवक्ता ने भी एक बयान जारी कर दक्षिणी सऊदी अरब स्थित एक सैन्य ठिकाने पर ड्रोन और मिसाइल से हमला करने का दावा किया था, हालांकि इस दावे की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है।

ट्रंप के बयान पर ब्रिटेन में विरोध, आयरलैंड और नॉर्दर्न आयरलैंड को एक करने की कही बात

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आयरलैंड और ब्रिटेन के नॉर्दर्न आयरलैंड के एक हो जाने संबंधी बयान पर ब्रिटेन में काफी विरोध देखने को मिला है। आयरलैंड की दो दिवसीय यात्रा के दौरान ट्रंप ने शनिवार को कहा कि वह आयरलैंड और नॉर्दर्न आयरलैंड को एक होते देखना पसंद करेंगे। ब्रिटेन की कंजर्वेटिव पार्टी की नेता केमी बैडेनोच ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, "राष्ट्रपति ट्रंप हमेशा की तरह बिना ज्यादा सोचे-समझे बयान दे रहे हैं, जैसा उन्होंने पहले ग्रीनलैंड और कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की बात कहकर किया था।" उन्होंने कहा, "नॉर्दर्न आयरलैंड यूनाइटेड किंगडम (ब्रिटेन) का हिस्सा है।" उसी दिन रिफॉर्म यूके पार्टी के नेता निगेल फराज ने भी 'एक्स' पर लिखा, "मैं राष्ट्रपति ट्रंप की बात से सहमत नहीं हूं। उत्तरी आयरलैंड यूनाइटेड किंगडम का एक गर्वित और अभिन्न हिस्सा है।" अमेरिकी रिपब्लिकन पार्टी के पूर्व सांसद मिक मुलवेनी, जो ट्रंप के पहले कार्यकाल में नॉर्दर्न आयरलैंड के लिए उनके विशेष दूत रहे थे, उन्होंने लोगों को ट्रंप की टिप्पणी का ज्यादा अर्थ निकालने से बचने की सलाह दी। उन्होंने कहा, "यह अमेरिकी विदेश नीति में किसी बदलाव का संकेत नहीं है।" ब्रिटेन की कम्युनिटीज सेक्रेटरी एंजेला रेनर ने भी ट्रंप की टिप्पणी को ज्यादा महत्व नहीं दिया। उन्होंने स्काई न्यूज से कहा, "डोनाल्ड ट्रंप, डोनाल्ड ट्रंप हैं। वह वही कहते हैं जो उन्हें सही लगता है।" उन्होंने कहा कि ब्रिटिश सरकार गुड फ्राइडे समझौते को लेकर गंभीर है और आगे भी उसी रास्ते पर काम करती रहेगी।

दुनिया को धोखा देने की पाक की 'नापाक' चाल, जैश चीफ मसूद अजहर पर 70 लाख का इनाम घोषित किया

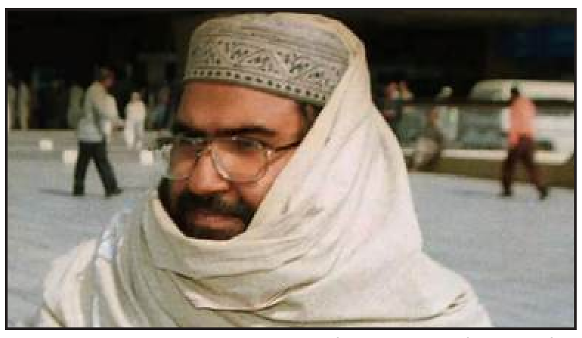

पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। आतंकियों को ट्रेनिंग देना, उन्हें संरक्षण देना और फिर उन्हीं पर ईनाम घोषित करके वह दुनिया को गुमराह करने की कोशिश कर रहा है। पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय समुदाय की आंखों में धूल झोंककर खुद को FATF की ग्रे लिस्ट में जाने से बचाने की पूरी कोशिश कर रहा है। इसी कोशिश के तहत उसने अब जैश-ए-मोहम्मद के चीफ मौलाना मसूद अजहर पर 70 लाख का इनाम घोषित किया है। दुनिया के मोस्ट वांटेड आतंकवादियों की नई रेड बुक में पाकिस्तान की फेडरल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (FIA) ने मसूद अजहर को भगोड़ा बताया है और उस पर इनाम की राशि 20 लाख बढ़ाकर 70 लाख कर दिया है। इससे पहले मसूद अजहर पर 50 लाख का इनाम था। पाकिस्तान की ओर से यह दिखावटी एक्शन अक्टूबर में होने वाली फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (FATF) की मीटिंग से पहले हुआ है। पाकिस्तान FATF की ग्रे लिस्ट में जाने से बचना चाहता है। इससे पहले भी वह उसने FATF की ग्रे लिस्ट में जाने से बचने के लिए 2021 से यह दावा करना शुरू कर दिया था कि मसूद अजहर उसकी धरती पर नहीं है। वह अफगानिस्तान भाग गया है। जबकि फेडरल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने उसी समय मसूद अजगर पर 50 लाख का इनाम रखा था। अब करीब 5 साल बाद इनाम बढ़ाकर 70 लाख कर दिया है। पाकिस्तान 2021 से लगातार यह कह रहा है कि मसूद अजहर अफ़ग़ानिस्तान में छिपा है। वहीं पिछले छह महीनों में भारतीय इंटेलिजेंस एजेंसियों के टेक्निकल एनालिसिस से पता चला है कि वह पाकिस्तान के सिंध प्रांत के नवाबशाह शहर में छिपा हुआ है। इससे पहले एक इंटरव्यू में पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (PPP) के नेता और पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो ने कहा था कि पाकिस्तान को नहीं पता है कि जैश-ए-मोहम्मद का ठिकाना कहां है। उन्होंने कहा कि अगर भारत, पक्के सबूत देता है कि मसूद अजहर पाकिस्तान में है तो उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

'चीन हमारी जासूसी करता है, हम भी ऐसा ही करते हैं...', अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का दावा

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को चीन को लेकर बड़ा बयान जारी किया है। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि चीन अमेरिका की जासूसी करता है और अमेरिका भी चीन के साथ ऐसा ही करता है। ट्रंप ने कहा है कि वह चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की यात्रा के दौरान उनसे लगभग हर चीज के बारे में चर्चा करेंगे। ट्रंप के इस दावे ने एक बार फिर से चीन की जासूसी को लेकर बहस छेड़ दी है। आपको बता दें कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग जल्द ही अमेरिका की यात्रा पर जाने वाले हैं। जानकारी के अनुसार, शी जिनपिंग 23 सितंबर 2026 को अमेरिका पहुंचने वाले हैं। वह 24 सितंबर को व्हाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात करेंगे। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी बीते जून महीने में चीन की यात्रा पर गए थे। उन्होंने शी जिनपिंग के साथ अपनी मुलाकात को काफी सकारात्मक बताया था। डोनाल्ड ट्रंप ने साल 2028 में होने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव को लेकर भी बात की है। जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या वे 2028 के राष्ट्रपति चुनाव में वर्तमान उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की उम्मीदवारी का समर्थन करेंगे? इस सवाल का जवाब देते हुए ट्रंप ने कहा कि "अभी काफी समय बाकी है। वेंस हमारे पास बहुत सारे अच्छे विकल्प हैं, वे सभी बहुत अच्छे हैं।" आपको बता दें कि आगामी अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव की रेस में रिपब्लिकन उम्मीदवार के तौर पर उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और विदेश मंत्री मार्को रूबियो सबसे आगे माने जा रहे हैं। यहां से वापसी के समय एयर फोर्स वन पर सवार होते हुए ट्रंप ने कहा कि "कनाडा के साथ डील करना सबसे मुश्किल काम है, लेकिन वे हमारे साथ डील करने के लिए बहुत बेताब हैं।"

पाकिस्तान में कोयला खदान में गैस विस्फोट में चार की मौत, पांच घायल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के दक्षिण-पश्चिमी प्रांत बलूचिस्तान में एक कोयला खदान में गैस विस्फोट होने से चार श्रमिकों की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य घायल हो गए। सूत्रों के अनुसार, यह हादसा रविवार को हरनाई जिले की एक कोयला खदान के अंदर गैस जमा होने के कारण हुआ। विस्फोट की सूचना मिलते ही पाकिस्तान सेना की बचाव टीम मौके पर पहुंची। टीम ने चार श्रमिकों के शव बाहर निकाले और पांच घायल खनिकों को सुरक्षित बचाया। घायल श्रमिकों को इलाज के लिए प्रांतीय राजधानी क्वेटा भेजा गया। इससे पहले अगस्त में भी बलूचिस्तान के डुकी जिले की एक कोयला खदान में जहरीली मीथेन गैस सांस के जरिए शरीर में जाने से तीन श्रमिकों की मौत हो गई थी। इनमें दो अफगान नागरिक और एक पाकिस्तानी नागरिक शामिल थे। अधिकारियों और स्थानीय मीडिया के मुताबिक, यह हादसा तब हुआ जब खदान के अंदर काम के दौरान मीथेन गैस इकट्ठा हो गई। जहरीली गैस सांस में जाने के बाद खनिक बेहोश हो गए। वहां मौजूद अन्य मजदूरों ने तुरंत अधिकारियों और स्थानीय श्रमिकों को सूचना दी, जिसके बाद माइंस एंड मिनरल्स विभाग ने बचाव अभियान शुरू किया। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, बचाव दल जब खदान के अंदर पहुंचा, तब तक तीनों खनिकों की मौत हो चुकी थी। बाद में मृतकों की पहचान दो अफगान और एक पाकिस्तानी नागरिक के रूप में हुई। इससे पहले जुलाई में भी बलूचिस्तान के सोरांगे इलाके में एक कोयला खदान में मीथेन गैस विस्फोट होने से कुल 34 लोगों की जान चली गई थी। प्रोविंशियल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी (पीडीएमए) के अनुसार, खदान में मीथेन गैस जमा होने के बाद हुए विस्फोट में 34 श्रमिकों के शव निकाले गए थे। धमाके के बाद खदान का एक बड़ा हिस्सा ढह गया था, जिससे कई मजदूर मलबे के नीचे फंस गए थे। अधिकारियों ने बताया कि हादसे के समय खदान में कुल 41 खनिक मौजूद थे।

फिलीपींस में संसदीय चुनाव से पहले गोलीबारी; तीन की मौत, 15 घायल

मनीला। दक्षिणी फिलीपींस के कोटाबाटो सिटी में रविवार रात करीब आधी रात से पहले एक मतदान केंद्र के बाहर हुई गोलीबारी में तीन लोगों की मौत हो गई और 15 अन्य घायल हो गए। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, यह घटना बांगसमोरो ऑटोनॉमस रीजन इन मुस्लिम मिंडानाओ (बीएआरएमएम) में होने वाले संसदीय चुनाव से ठीक पहले हुई। सोमवार को इस क्षेत्र में पहली बार चुनी हुई संसद के लिए मतदान शुरू हुआ। स्थानीय पुलिस के मुताबिक, मतदान के लिए लगी कतार में अपनी जगह को लेकर प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक गुटों के बीच विवाद हो गया। पहले धक्का-मुक्की हुई, फिर मारपीट शुरू हो गई और आखिरकार भीड़भाड़ वाले इलाके में गोलियां चलने लगीं। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, 13 राजनीतिक दलों के उम्मीदवार 80 संसदीय सीटों के लिए चुनाव लड़ रहे हैं। इन चुनावों में 20 लाख से अधिक मतदाता वोट देने के पात्र हैं। किसी भी संभावित हिंसा से निपटने के लिए पिछले कुछ दिनों में पूरे बीएआरएमएम क्षेत्र में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। मतदान केंद्रों पर 20,000 से ज्यादा सुरक्षा कर्मियों को तैनात किया गया है और त्वरित प्रतिक्रिया दल भी तैयार रखे गए हैं। सोमवार को होने वाला यह ऐतिहासिक मतदान मुस्लिम बहुल इस क्षेत्र में दशकों से चले आ रहे विद्रोह और हिंसा के बाद स्वशासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने एक वीडियो संदेश में लोगों से मतदान में हिस्सा लेने की अपील की।

ब्रिटेन के पूर्व पीएम बोरिस जॉनसन के गुजरने के कुछ देर बाद यूक्रेनी ट्रेन पर रूसी ड्रोन हमला, बाल-बाल बचे राजनयिक

कीएव/मॉस्को। यूक्रेन में पोलैंड सीमा के पास स्थित याहोदीन क्षेत्र में एक यात्री ट्रेन पर रूसी ड्रोन हमले का बड़ा मामला सामने आया है। यह हमला उस समय हुआ जब ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन और कई यूरोपीय शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों को ले जा रही एक अन्य ट्रेन हमले से कुछ ही देर पहले उसी रेलवे ट्रैक से गुजरी थी। हमले में यात्री ट्रेन के इंजन को भारी नुकसान पहुंचा है, हालांकि यात्रियों को समय रहते सुरक्षित निकाल लेने से कोई हताहत नहीं हुआ। यूक्रेनी अधिकारियों के अनुसार, यह हमला पोलैंड सीमा से महज दो किलोमीटर दूर याहोदीन में हुआ। कीएव में आयोजित एक उच्चस्तरीय सम्मेलन में हिस्सा लेने के बाद पूर्व ब्रिटिश पीएम बोरिस जॉनसन और ब्रिटेन के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जोनाथन पॉवेल सहित कई यूरोपीय देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ट्रेन से लौट रहे थे। यूक्रेन की सरकारी रेलवे कंपनी ने अंदेशा जताया है कि रूसी ड्रोन का मुख्य निशाना राजनयिकों का यह वीआईपी काफिला ही हो सकता था। गनीमत यह रही कि लगातार हवाई हमलों के खतरे के मद्देनजर रेलवे कंपनी ने टाइमटेबल में बदलाव कर राजनयिकों की ट्रेन को निर्धारित समय से पहले ही रवाना कर दिया था। इसके कुछ ही देर बाद एक अन्य यात्री ट्रेन के इंजन को रूसी जेट-प्रोपेल्ड ड्रोन ने निशाना बना दिया। रेलवे अधिकारियों की सूझबूझ से हमले से मात्र 15 मिनट पहले ही यात्रियों को ट्रेन से बाहर निकाल लिया गया था। उधर, रूस ने भी हमले की पुष्टि करते हुए कहा है कि उसने पश्चिमी यूक्रेन में रेलवे के बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर यह कार्रवाई की है। हमले के बाद याहोदीन और पोलैंड सीमा से जुड़े रेलवे मार्गों पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ गई है। पश्चिमी यूक्रेन का यह क्षेत्र युद्ध के दौरान रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जाता है, क्योंकि यहां से यात्रियों के साथ-साथ मानवीय और राजनयिक आवाजाही भी होती है। ऐसे में रेलवे नेटवर्क पर हमले का असर सामान्य यातायात से आगे भी पड़ सकता है। यूक्रेनी रेलवे की ओर से यात्रियों को सुरक्षित निकालने और प्रभावित ट्रेन को हटाने की प्रक्रिया शुरू की गई। हमले के बाद रेल परिचालन को प्रभावित क्षेत्र में सुरक्षा जांच के आधार पर संचालित करना जरूरी हो गया है। यात्रियों को वैकल्पिक व्यवस्था और यात्रा कार्यक्रम में बदलाव की जानकारी भी दी जा सकती है। इस घटना ने युद्धग्रस्त क्षेत्रों में रेल यात्रा की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े किए हैं।

ओमान में ईरान और खाड़ी देशों के बीच होने वाली बैठक टली, नई तारीख पर बनी सहमति

मस्कट/तेहरान। ओमान के विदेश मंत्री सैय्यद बद्र बिन हमद अल बुसैदी ने रविवार को बताया कि ओमान के शहर सलालाह में सोमवार को होने वाली ईरान और खाड़ी देशों की बैठक को फिलहाल टाल दिया गया है। अल बुसैदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, "सभी पक्षों के बीच सहमति बनाए रखने के हित में कल सलालाह में होने वाली क्षेत्रीय बैठक को स्थगित कर दिया गया है।" उन्होंने कहा हम अपने क्षेत्र में स्थिरता और लंबे समय तक सहयोग को बढ़ावा देने वाले संवाद के लिए प्रतिबद्ध हैं। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी आईआरएनए को दिए एक इंटरव्यू में ईरान के विदेश मंत्रालय में फारस की खाड़ी मामलों के महानिदेशक मोहम्मद अली बाक ने भी बैठक टलने की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि कुछ क्षेत्रीय देशों के अनुरोध पर और ईरान तथा ओमान के संयुक्त फैसले के आधार पर इस बैठक को किसी दूसरी तारीख के लिए स्थगित किया गया है। अधिकारी ने कहा कि बैठक के लिए सही समय तय करने और जरूरी तैयारियों तथा समन्वय को सुनिश्चित करने के लिए ईरान लगातार ओमान के साथ बातचीत कर रहा है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने शुक्रवार को बताया था कि खाड़ी तटवर्ती देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक सोमवार को ओमान में होने वाली थी। इस बैठक में क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा की जानी थी, जिनमें होर्मुज स्ट्रेट में सुरक्षित समुद्री मार्ग तय करने को लेकर ईरान और ओमान के बीच चल रही बातचीत भी शामिल थी।

इन्वेस्टमेंट समिट से पहले पीएम मार्क कार्नी बोले- कनाडा अपने भविष्य की कमान खुद संभाल रहा

टोरंटो। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कनाडा इन्वेस्टमेंट समिट से पहले कहा कि देश में अब अर्थव्यवस्था के बदलाव और भविष्य की दिशा को लेकर एक नई सहमति बन गई है। रविवार शाम को कनाडा के उद्योग जगत के नेताओं को संबोधित करते हुए कार्नी ने कहा कि यह सहमति इस बात पर है कि 'कनाडा अपने भविष्य की कमान खुद संभाल रहा है।' उन्होंने कहा, "हम और ज्यादा निर्माण करेंगे, ज्यादा व्यापार करेंगे, दुनिया के साथ भी ज्यादा व्यापार करेंगे और अपने देश में टिकाऊ समृद्धि पैदा करेंगे।" कार्नी ने कहा, "हम कनाडा के लिए एक नए दौर को आकार दे रहे हैं। कनाडा की सबसे बड़ी सोच यह है कि एकता जरूरी है, लेकिन सबका एक जैसा होना जरूरी नहीं है। हम मानते हैं कि हमारी अलग-अलग पहचान और विचार ही हमारी ताकत हैं और हम इसी भरोसे के साथ आगे बढ़ रहे हैं।" उन्होंने कहा, "दुनिया को जिन चीजों की जरूरत है, वे हमारे पास हैं। हमारे पास ऊर्जा, प्राकृतिक संसाधन, प्रतिभा, तकनीक और पूंजी है। लेकिन हमारी सबसे बड़ी ताकत ऐसी चीज है जो किसी बैलेंस शीट में नहीं दिखती, और वह है भरोसा।" कार्नी ने आगे कहा, "अगर हम मिलकर काम करें, तो हम अपने लिए उससे कहीं ज्यादा हासिल कर सकते हैं, जितना कोई हमसे छीन सकता है।" कनाडा इन्वेस्टमेंट समिट 14 और 15 सितंबर को कनाडा के सबसे बड़े शहर टोरंटो में आयोजित होगा। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, यह सम्मेलन बड़े निवेश आकर्षित करने की एक महत्वपूर्ण रणनीतिक पहल है। इसका लक्ष्य अगले पांच वर्षों में करीब एक ट्रिलियन कनाडाई डॉलर (लगभग 720 अरब अमेरिकी डॉलर) के निवेश को आकर्षित करना है।

थिंक राजस्थान

खेल समाचार

भाजपा नेता मिथुन चक्रवर्ती ने शुरू की 'बंगाल फुटबॉल एकेडमी' बनाने की पहल

कोलकाता। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता मिथुन चक्रवर्ती ने 'बंगाल फुटबॉल एकेडमी' बनाने की पहल फिर से शुरू की है, जिसकी कोशिश करीब 15 साल से जारी है। सोमवार को उन्होंने न्यू टाउन में पूर्व फुटबॉलर्स के साथ एकेडमी की योजना पर चर्चा की।

मिथुन चक्रवर्ती की योजना प्रत्येक जिले से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को लाना है। वह पहाड़ी इलाकों पर भी फोकस करेंगे।

उनकी योजना शुरुआत में 60 फुटबॉलर्स के साथ एकेडमी शुरू करना है। इसके साथ ही दिग्गज अभिनेता मिथुन ने एकेडमी के वित्तीय योजना के बारे में भी बताया। 'आईएएनएस' के साथ बातचीत में मिथुन चक्रवर्ती ने कहा, "बीते 15 वर्षों से कुछ हुआ नहीं, क्योंकि मैं शामिल था। मेरा नाम आते ही सब कुछ बैन कर दिया गया। कोई मैदान, कोई फील्ड कुछ नहीं दिया गया... बोल के भी नहीं दिया। इसलिए 15 साल से ये ठप्प पड़ा हुआ था, लेकिन हम लोगों ने एक करोड़ रुपए जमा करके रखे हैं, जो अभी भी बैंक में हैं। अभी इस एकेडमी को चलाने के लिए, इसको ताकत देने के लिए और दो-तीन करोड़ रुपए मैं चंदे से जुटाऊंगा, ताकि बंगाल फुटबॉल एकेडमी अच्छी तरह से चल सके।" जो श्रेष्ठ खिलाड़ी हैं, वहीं इसमें हिस्सा लेंगे।

16 रन, 1 विकेट और फिर इंजरी... IND vs AFG दूसरे T20 में किसे मिलेगा वरुण चक्रवर्ती की जगह मौका?

भारत और अफगानिस्तान के बीच टी20 सीरीज का दूसरा मैच 15 सितंबर को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाएगा। इस मैच से पहले टीम इंडिया को एक बड़ा झटका लगा है। पहले मैच में शानदार गेंदबाजी करने वाले मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती साइड स्ट्रेन चोट के कारण बचे हुए दो मैचों से बाहर हो गए हैं। वरुण के बाहर होने की वजह से अब टीम इंडिया को दूसरे टी20 मैच में बदलाव करना पड़ेगा। दूसरे टी20 में भारतीय टीम उनकी जगह किसे शामिल करती है ये देखने वाली बात होगी। टीम इंडिया के पास वरुण चक्रवर्ती के विकल्प के रूप में भारतीय टीम में रवि बिश्नोई और वॉशिंगटन सुंदर मौजूद हैं, लेकिन टीम मैनेजमेंट लेग-स्पिनर रवि बिश्नोई को तरजीह दे सकता है क्योंकि वे पूर्व T20 नंबर-1 गेंदबाज रह चुके हैं। वो वरुण के लाइक फॉर लाइक रिप्लेसमेंट बन सकते हैं। पहले मैच में वरुण ने शानदार गेंदबाजी की थी और वहां उन्होंने 4 ओवर में केवल 16 रन देकर 1 विकेट हासिल किए थे। उनके खिलाफ अफगानी टीम का कोई भी बल्लेबाज खुलकर रन नहीं बना पाया था। अब वरुण के बाहर होने से भारत को अपनी रणनीति बदलनी पड़ेगी। रवि बिश्नोई की बात करें तो वह अब तक कुल 49 टी20 मुकाबले खेल चुके हैं, इस दौरान उन्होंने 48 पारियों में 20.55 के औसत और 7.46 की इकॉनमी से 67 विकेट अपने नाम किए हैं।

सीनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप के चयन ट्रायल्स में निशु का दमदार प्रदर्शन, काजल और नीलम भी जीतीं

नई दिल्ली। पहलवान निशु ने राष्ट्रीय चयन ट्रायल्स में 53 किग्रा वर्ग में जीत हासिल की। इसके साथ ही उन्होंने सीनियर विश्व कुश्ती चैंपियनशिप 2026 में जगह बनाने के लिए एशियन गेम्स के लिए चुनी गई अंतिम पंघाल के खिलाफ अंतिम ट्रायल मुकाबले का रास्ता तय कर लिया।

निशु ने इंदिरा गांधी स्टेडियम में 53 किग्रा कैटेगरी के कड़े फाइनल मुकाबले में थिश्का को हराया। निशु और अंतिम के बीच होने वाला फाइनल ट्रायल यह तय करेगा कि कजाकिस्तान के अस्ताना में 24 अक्टूबर से 1 नवंबर तक होने वाली सीनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में इस कैटेगरी में भारत का प्रतिनिधित्व कौन करेगा।

भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) की चयन नीति के तहत, सोमवार के ट्रायल के विजेताओं को सीनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में जगह पाने के लिए एशियन गेम्स में जाने वाले पहलवानों को फाइनल ट्रायल में चुनौती देने का अधिकार मिल गया है। फाइनल ट्रायल बाद में आयोजित किया जाएगा। चार नॉन-ओलंपिक वेट कैटेगरी के ट्रायल भी बाद में आयोजित किए जाएंगे। दो बार की अंडर-20 वर्ल्ड चैंपियन काजल ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और फाइनल में शिक्षा को हराकर 76 किग्रा कैटेगरी में टॉप पर रहीं।

सिमरन ने संयमित प्रदर्शन करते हुए स्वाति शिंदे को हराकर 57 किग्रा का खिताब जीता, जबकि नीलम ने 50 किग्रा के फाइनल में अंकुश को मात देकर टॉप स्थान हासिल किया। अन्य कैटेगरी में, तपस्या ने अंजलि को हराकर 62 किग्रा डिवीजन जीता, जबकि सृष्टि ने विपाशा को हराकर 68 किग्रा कैटेगरी में जीत हासिल की। पहलवानों ने जबरदस्त दृढ़ संकल्प के साथ मुकाबला किया और दिखाया कि सभी वेट कैटेगरी में काफी गहराई है।

IND vs AFG दूसरे टी20 में बारिश बनेगी विलेन? जानिए कैसा रहेगा दिल्ली का वेदर

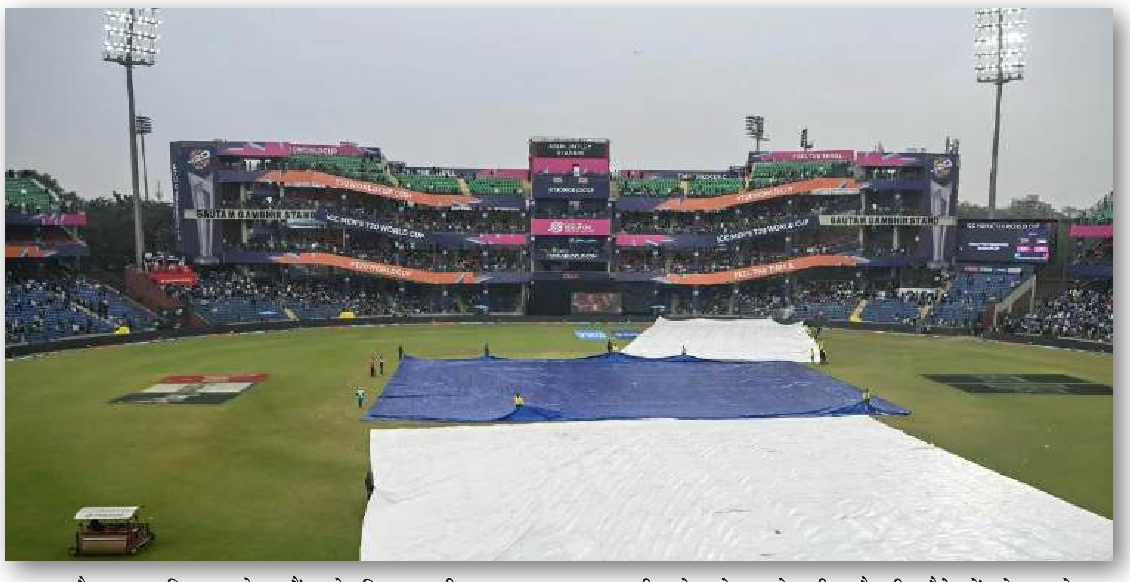

भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन टी-20 मैचों की सीरीज खेली जा रही है। 13 सितंबर को हुए पहले मैच में भारतीय टीम ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए अफगानिस्तान को 7 विकेट से हरा दिया और सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। अब सीरीज का दूसरा मैच 15 सितंबर को खेला जाएगा। भारतीय टीम इस दूसरे मैच को जीतकर सीरीज पर कब्जा जमाने की कोशिश करेगी, वहीं अफगानिस्तान की टीम यह मैच जीतकर सीरीज में 1-1 की बराबरी करना चाहेगी। इस बीच आइए जानते हैं कि इस दूसरे मुकाबले के दौरान मौसम कैसा रहने वाला है। Accuweather के मुताबिक मंगलवार को दिल्ली में दिन के समय लगभग 41% बारिश की संभावना है। सुबह से लेकर दोपहर तक बारिश होने की संभावना 30 से 40 प्रतिशत के आसपास है, लेकिन क्रिकेट फैंस के लिए अच्छी खबर यह है कि जैसे-जैसे मैच का समय करीब आएगा, मौसम साफ होता जाएगा। रात के समय बारिश होने चांसेस सिर्फ 7 प्रतिशत है। इसका मतलब है कि बारिश की वजह से मैच रुकने की उम्मीद बहुत कम है। इसके अलावा अरुण जेटली स्टेडियम का ड्रेनेज सिस्टम भी काफी बेहतरीन है, जिससे पूरे 20-20 ओवर का मैच बिना किसी बड़ी बाधा के पूरा होने की पूरी उम्मीद है। अफगानिस्तान के खिलाफ खेलते हुए भारतीय टीम ने पहले मैच में शानदार जीत हासिल की थी। इस मुकाबले में अफगानिस्तान की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 156 रन बनाए थे। जवाब में उतरी भारतीय टीम ने बेहद आक्रामक खेल दिखाया और सिर्फ 13.4 ओवर में ही 3 विकेट खोकर 157 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। भारत की ओर से बल्लेबाजी में अभिषेक शर्मा ने कमाल का प्रदर्शन किया और केवल 32 गेंदों में 82 रनों की तूफानी पारी खेली। वहीं गेंदबाजी में अर्शदीप सिंह ने किफायती गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में सिर्फ 19 रन देकर 3 अहम विकेट चटकाए, जबकि जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल और वरुण चक्रवर्ती को भी 1-1 विकेट मिला।

अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरे टी20 मैच से पहले टीम इंडिया को एक बड़ा झटका लग चुका है।

स्टार स्पिनर वरुण चक्रवर्ती साइड स्ट्रेन की वजह से इस सीरीज से बाहर हो गए हैं। अब उनकी जगह दूसरे टी20 में किसे मौका मिलता है ये देखने वाली बात होगी। वरुण चक्रवर्ती के बाहर होने के बाद भारतीय टीम को अपनी प्लेइंग इलेवन में बदलाव करना पड़ सकता है। टीम मैनेजमेंट के सामने अब स्पिन विभाग में उनके विकल्प को लेकर फैसला लेने की चुनौती होगी। हालांकि, भारतीय टीम के पास ऐसे गेंदबाज मौजूद हैं जो परिस्थितियों के अनुसार उनकी कमी पूरी कर सकते हैं।

पहले मुकाबले में भारतीय टीम के बल्लेबाजों ने जिस तरह आक्रामक अंदाज में लक्ष्य हासिल किया था, उससे टीम का आत्मविश्वास काफी बढ़ा होगा। अभिषेक शर्मा की विस्फोटक पारी ने शीर्ष क्रम को मजबूती दी है। दूसरे मैच में भी भारतीय बल्लेबाज शुरुआत से ही अफगानिस्तान के गेंदबाजों पर दबाव बनाने की कोशिश करेंगे। पहले मैच में 156 रन बनाने के बावजूद टीम अपने स्कोर का बचाव नहीं कर सकी, इसलिए गेंदबाजों को भारतीय बल्लेबाजों के खिलाफ नई रणनीति के साथ उतरना होगा।

एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने अमेरिका के शेल्टन को हराकर जीता US ओपन 2026 का खिताब

एलेक्जेंडर ज्वेरेव के लिए टेनिस करियर का शानदार दौर जारी है। जर्मनी के ज्वेरेव ने रविवार को US ओपन के फाइनल में अमेरिका के बेन शेल्टन को 6-3, 7-6 (2), 5-7, 6-2 से हराकर अपने करियर का दूसरा ग्रैंड स्लैम खिताब अपने नाम किया। न्यूयॉर्क में घरेलू दर्शकों की उम्मीदें 23 साल के शेल्टन पर टिकी थीं। अमेरिका को उम्मीद थी कि एंडी रॉडिक के 2003 में US ओपन जीतने के बाद पहली बार कोई अमेरिकी पुरुष खिलाड़ी ग्रैंड स्लैम खिताब जीतेगा।

हालांकि, ज्वेरेव ने शानदार खेल दिखाते हुए शेल्टन और उनके फैंस की उम्मीदों को तोड़ दिया। इससे पहले एलेना रिबाकिना ने महिला सिंगल्स के फाइनल में डिफेंडिंग चैंपियन आर्यना सबालेंका को हराकर US ओपन का खिताब जीता। ज्वेरेव के लिए यह साल किसी सपने से कम नहीं रहा है। उन्होंने इस साल अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब फ्रेंच ओपन में जीता था और अब न्यूयॉर्क में भी ट्रॉफी अपने नाम कर ली। खास बात यह है कि 2020 में US ओपन के फाइनल में मिली दर्दनाक हार के बाद ज्वेरेव ने आखिरकार इस टूर्नामेंट का खिताब भी जीत लिया।

ज्वेरेव पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम में नंबर-1 सीड के तौर पर उतरे थे और उन्होंने इस जिम्मेदारी को बखूबी निभाया। शेल्टन अपने पहले ग्रैंड स्लैम फाइनल में शुरुआत से ही दबाव में नजर आए। पहले सेट में उन्होंने शुरुआती गेम में डबल फॉल्ट किया और ज्वेरेव को बढ़त बनाने का मौका दे दिया। ज्वेरेव ने पहले सेट में मिली बढ़त को अंत तक बनाए रखा। शेल्टन ने दूसरे सेट में वापसी की कोशिश की, लेकिन ज्वेरेव ने टाई-ब्रेक में लगभग परफेक्ट प्रदर्शन करते हुए इसे 7-2 से अपने नाम कर लिया। तीसरे सेट में शेल्टन ने आखिरकार मुकाबले में वापसी की और 7-5 से सेट जीतकर उम्मीद जगाई। स्टेडियम में मौजूद अमेरिकी दर्शकों ने उनका जोरदार समर्थन किया।

जोकोविच 7 पायदान नीचे खिसके, 24 साल बाद पहली बार 'टॉप 10' से 'बिग 3' नदारद

नई दिल्ली। यूएस ओपन के पहले ही राउंड में नोवाक जोकोविच को चौंकाने वाली हार का सामना करना पड़ा, जिसके बाद सोमवार को जारी एटीपी रैंकिंग में वह 'टॉप 10' से बाहर होकर 12वें स्थान पर खिसक गए। जोकोविच को पहले ही राउंड में अर्जेंटीना के मारियानो नावोन के हाथों शिकस्त मिली थी। अक्टूबर 2002 के बाद ऐसा पहली बार है, जब 'बिग थ्री' (जोकोविच, राफेल नडाल और रोजर फेडरर) में से कोई भी एटीपी रैंकिंग के 'टॉप-10' में शामिल नहीं है। 20 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता फेडरर ने साल 2022 में संन्यास लिया था, जबकि 22 बार के मेजर विजेता नडाल ने 2024 में खेल को अलविदा कह दिया था। 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन जोकोविच 39 साल की उम्र में भी खेल रहे हैं और उन्हें अपने 25वें मेजर खिताब की उम्मीद है, जिससे वे मार्गरेट कोर्ट के 24 खिताबों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ देंगे। हालांकि, 25वें खिताब की उनकी हालिया कोशिश तब खत्म हो गई जब मारियानो नावोन के खिलाफ मैच के दौरान उन्हें शारीरिक परेशानी और उल्टी हुई। फिर मेरा पूरा शरीर जवाब देने लगता है, खासकर ऐंठन और दर्द की वजह से।

इंग्लैंड में तहलका मचाएगा बिहार का लाल, नॉटिंघमशायर ने दो मैचों के लिए किया टीम में शामिल

बिहार के लाल और भारतीय तेज गेंदबाज मुकेश कुमार अब इंग्लैंड में अपनी रफ्तार भरी गेंदबाजी से कहर बरपाते हुए नजर आएंगे। उन्होंने काउंटी चैंपियनशिप के आखिरी दो मैचों के लिए नॉटिंघमशायर टीम के साथ करार किया है। यह पहला मौका है जब मुकेश इंग्लैंड के घरेलू क्रिकेट में हिस्सा ले रहे हैं। मुकेश कुमार नॉटिंघमशायर के लिए अपना पहला मैच 15 सितंबर से ससेक्स के खिलाफ खेलेंगे। उसके बाद 24 सितंबर से नॉटिंघमशायर की टीम यॉर्कशायर के खिलाफ अपना आखिरी मैच खेलेगी। इस मौके पर मुकेश कुमार ने कहा कि वह इंग्लैंड जाकर काउंटी क्रिकेट में खुद को आजमाने के लिए बेहद उत्सुक हैं। उन्होंने बताया कि वह नॉटिंघमशायर टीम को कामयाबी दिलाने के लिए अपना पूरा योगदान देना चाहते हैं। इसके साथ ही, वह नए कोचों और साथी खिलाड़ियों के साथ काम करने को लेकर काफी उत्साहित हैं। मुकेश का मानना है कि इंग्लैंड में खेलना हमेशा से एक बड़ी चुनौती रहा है, इसलिए वह नई परिस्थितियों में एक नई टीम के लिए खेलने का यह मौका मिलने से वे बेहद खुश हैं। मुकेश कुमार हाल ही में दिलीप ट्रॉफी में खेलते दिखे थे। उन्होंने फाइनल मैच में 62 रन देकर 3 विकेट हासिल किए थे, जिससे ईस्ट जोन की टीम को पहली पारी की बढ़त के आधार पर जीत मिली। मुकेश ने उससे पहले सेमीफाइनल में भी अच्छी गेंदबाजी की थी। मुकेश ने अब तक 60 फर्स्ट-क्लास मैचों में कुल 233 विकेट लिए हैं, जिसमें 10 बार 5 विकेट और 1 बार 10 विकेट लेने का रिकॉर्ड शामिल है। इसके अलावा उन्होंने भारत के लिए 3 टेस्ट मैच भी खेले हैं, जिनमें उनके नाम 7 विकेट दर्ज हैं। नॉटिंघमशायर की टीम काउंटी चैंपियनशिप में काफी मजबूत स्थिति में है और 6 में से 5 मैच जीतकर 185 पॉइंट्स के साथ दूसरे नंबर पर है। मुकेश कुमार इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट खेलने वाले नए भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। उनसे पहले कुलदीप यादव (यॉर्कशायर) और मानव सुथार (वारविकशायर) भी इस टूर्नामेंट का हिस्सा रहे हैं, जबकि हाल ही में आकिब नबी ने भी ससेक्स टीम के लिए एक मैच खेला था।

चेक गणराज्य फुटबॉल टीम के पूर्व गोलकीपर लुडेक मिकलोस्को का निधन

नई दिल्ली। वेस्ट हैम, क्यूपीआर और चेक गणराज्य फुटबॉल टीम के पूर्व गोलकीपर लुडेक मिकलोस्को का लंबी और गंभीर बीमारी से जूझने के बाद 64 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। मिकलोस्को वेस्ट हैम फुटबॉल क्लब के दिग्गज खिलाड़ी थे। उन्होंने इंग्लिश प्रीमियर लीग क्लब के लिए 300 से ज्यादा मैच खेले। 2021 में उन्हें कैंसर का पता चला था और दिसंबर 2024 में उन्होंने इलाज बंद कर दिया था। वेस्ट हैम ने मिकलोस्को को श्रद्धांजलि दी, जिन्हें 1990-91 में क्लब का 'हैमर ऑफ द ईयर' चुना गया था। वेस्ट हैम ने एक बयान में कहा, "बहुत गहरे दुख के साथ वेस्ट हैम यूनाइटेड दिग्गज पूर्व गोलकीपर और कोच लुडेक मिकलोस्को के निधन की घोषणा करता है। लुडेक, आप शांति से सोएं; आप हमारे प्यारे, प्रेरणादायक गोलकीपर और एक नेक और बड़े दिल वाले इंसान थे।" वहीं, उनके बेटे मार्टिन मिकलोस्को ने वेस्ट हैम के जरिए अपने पिता के प्यार का जिक्र किया। मार्टिन ने कहा, "कैंसर से बहादुरी और हिम्मत के साथ लड़ने के बाद मेरे पिता लुडेक के निधन की खबर देते हुए हमारा दिल टूट गया है। क्लब और उसके प्रशंसक हमारे परिवार का हिस्सा थे और हमेशा रहेंगे, इसलिए आप सभी का दिल से शुक्रिया।"

पाकिस्तान क्रिकेट में नहीं खत्म हो रहा ड्रामा, आकिब जावेद और वहाब रियाज की हो सकती है छुट्टी

पाकिस्तान क्रिकेट में लगातार जारी उठापटक के बीच पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड यानी PCB अब कुछ बड़े और कड़े फैसले लेने की तैयारी में है। टीम के प्रदर्शन और क्रिकेट से जुड़े फैसलों पर लगातार उठ रहे सवालों के बीच PCB चेयरमैन मोहसिन नकवी सिलेक्शन कमेटी से लेकर कोचिंग सेटअप तक में बदलाव कर सकते हैं। माना जा रहा है कि पूर्व टेस्ट क्रिकेटर आकिब जावेद की सीनियर सिलेक्टर के पद से छुट्टी हो सकती है, जबकि वहाब रियाज को भी महिला टीम के मेंटर पद से हटाए जाने की संभावना है। PCB से जुड़े एक सूत्र के मुताबिक, मोहसिन नकवी को अब महसूस हो गया है कि पाकिस्तान क्रिकेट में चल रहे खराब दौर को रोकने के लिए कुछ बड़े फैसले जरूरी हैं। इसी वजह से सिलेक्शन और टीम मैनेजमेंट से जुड़े बदलावों पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। अंतिम फैसला लेने से पहले नकवी अपने करीबी अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे और PCB गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों को भी विश्वास में लिया जाएगा। आकिब जावेद पिछले करीब 2 सालों में पाकिस्तान क्रिकेट से जुड़े कई अहम फैसलों में प्रमुख भूमिका निभाते रहे हैं। इंग्लैंड दौरे के दौरान दूसरे टेस्ट के बाद पाकिस्तान टीम और कोचिंग स्टाफ में अचानक किए गए बड़े बदलावों के पीछे भी उनका नाम प्रमुखता से सामने आया था। हालांकि, इस दौरान टीम के लगातार बदलते कप्तानों और कोचिंग स्टाफ को लेकर उन्हें आलोचना का सामना करना पड़ा है। वहीं, पूर्व टेस्ट क्रिकेटर वहाब रियाज पिछले साल से पाकिस्तान की महिला टीम के साथ मेंटर की भूमिका निभा रहे हैं। सूत्र के मुताबिक, एशियन गेम्स के बाद वहाब रियाज के साथ महिला टीम के मौजूदा कोचिंग स्टाफ में भी बदलाव किया जा सकता है। PCB महिला टीम के लिए नए विदेशी मुख्य कोच की तलाश में भी कुछ उम्मीदवारों से बातचीत कर रहा है। सिलेक्शन और कोचिंग ढांचे में बदलाव की एक वजह सफेद गेंद की टीम के मुख्य कोच माइक हेसन की टेस्ट टीम की जिम्मेदारी संभालने की इच्छा भी बताई जा रही है। हेसन टेस्ट टीम की कमान संभालने के लिए तैयार हैं, लेकिन उन्होंने बोर्ड के सामने साफ किया है कि रेड-बॉल क्रिकेट में सुधार के लिए उन्हें पर्याप्त समय और काम करने की पूरी स्वतंत्रता चाहिए।

फैटी लिवर का उपचार करने के लिए घरेलू नुस्खे, रसोई में रखी इन चीजों का करें इस्तेमाल, मिलेगा फायदा

महानगरों में रहने वाले ज्यादातर लोग फैटी लिवर के शिकार हो रहे हैं। दिल्ली एनसीआर में रहने वाले लाखों सिटिंग जॉब करने वालों में ग्रेड 1 फैटी लिवर पाया जाने लगा है। जिसे लेकर स्वास्थ्य मंत्रालय भी चिंचत है। फैटी लिवर को समय पर कंट्रोन नहीं किया तो इससे लिवर फंक्शन प्रभावित होता है और अगर फैटी लिवर ग्रेड 3 पर पहुंच गया तो लिवर फेल होने तक का खतरा बढ़ जाता है। हम सभी के लिवर में फैट होता है, लेकिन जब इस फैट की मात्रा नॉर्मल से 10 गुना ज्यादा हो जाती है तो इसे फैटी लिवर की श्रेणी में शामिल किया जाता है। इसमें लिवर की कोशिकाओं में जरूरत से ज्यादा फैट जमा हो जाता है। इससे बचने के लिए खान-पान और लाइफस्टाइल में बदलाव करना जरूरी है। आचार्य बाल कृष्ण ने फैटी लिवर में फायदेमंद कुछ आयुर्वेदिक उपाय बताए हैं, जो आपकी रसोई में ही मौजूद हैं।

फैटी लिवर में आंवला- फैटी लिवर के लिए आयुर्वेद में आंवला चूर्ण को बहुत फायदेमंद माना गया है। इसके लिए करीब 4 ग्राम सूखे आंवला का चूर्ण दिन में 3 बार पानी के साथ लें। अगर आप इसे महीने भर तक इस्तेमाल करते हैं तो लिवर के रोगों में आराम मिलेगा। आंवला में एंटी ऑक्सीडेंट्स, विटामिन सी होता है जो लिवर फंक्शन को बेहतर बनाता है। आंवला लिवर और शरीर को डिटॉक्स करता है। अगर आंवला पाउडर नहीं खा रहे हैं तो 3-4 कच्चे आंवला भी खा सकते हैं।

फैटी लिवर में छाछ- फैटी लीवर के उपचार में छाछ भी फायदेमंद होती है। आप दोपहर के खाने में छाछ पीएं। इसमें थोड़ी हींग, नमक, जीरा और काली मिर्च मिलाकर सेवन करने से फायदा ज्यादा होगा। इसके अलावा विटामिन सी से भरपूर फल जैसे संतरा, नींबू भी फैटी लिवर की समस्या को कम कर सकता है। बेहतर परिणाम पाने के लिए आप सुबह खाली पेट इनका सेवन करें।

फैटी लिवर में ग्रीन टी- फैटी लिवर होने पर लिवर में जरूरत से ज्यादा फैट जमा होने लगता है। इसके लिए ग्रीन टी को भी फायदेमंद माना जाता है। ग्रीन टी में एंटीऑक्सिडेंट्स से भरपूर है, जो लिवर के काम करने के तरीके को बेहतर बनाते हैं और लिवर में जमा फैट को कम करते हैं। फैटी लिवर के मरीज रोजाना ग्रीन टी पीते हैं तो इससे उनको फायदा होगा।

अदरक जैसा दिखने वाला ये पौधा, आयुर्वेद में क्यों माना जाता है खास?

आयुर्वेद में कई ऐसे औषधीय पौधे बताए गए हैं, जिनका इस्तेमाल सदियों से पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों में होता आया है। कुलंजन भी इन्हीं में से एक है। यह पौधा देखने में काफी हद तक अदरक जैसा दिखाई देता है और इसकी तेज सुगंध तथा तीखा स्वाद इसे दूसरी जड़ी-बूटियों से अलग पहचान देते हैं। आयुर्वेद और पारंपरिक चिकित्सा में कुलंजन का इस्तेमाल कई तरह की सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं में किया जाता रहा है। बिहार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन विभाग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि कुलंजन का वैज्ञानिक नाम अल्पिनिया कैल्केराटा है। यह मुख्य रूप से उष्ण और नम जलवायु में अच्छी तरह उगता है। इसके पौधे में लंबी, हरी पत्तियां होती हैं, जबकि जमीन के नीचे इसका सुगंधित तना विकसित होता है। इसमें छोटे और सफेद रंग के फूल भी दिखाई देते हैं। हालांकि पौधे का ऊपरी हिस्सा भी अपनी पहचान रखता है, लेकिन औषधीय उपयोग के लिए मुख्य रूप से इसकी जड़ और जमीन के अंदर मौजूद तने को महत्वपूर्ण माना जाता है। कुलंजन की सबसे खास बात इसकी गर्म तासीर और तीखी प्रकृति मानी जाती है। पारंपरिक रूप से इसका इस्तेमाल सर्दी-जुकाम और श्वसन तंत्र से जुड़ी परेशानियों में किया जाता रहा है। इसकी सुगंधित प्रकृति के कारण इसे सांस से जुड़ी कुछ सामान्य समस्याओं में उपयोगी माना जाता है। कुलंजन के भले ही कई पारंपरिक लाभ बताए जाते हैं, लेकिन किसी भी बीमारी में दवा के रूप में इसका इस्तेमाल करने से पहले विशेषज्ञ की सलाह लेना बहुत जरूरी है। बिना सही जानकारी के इसका उपयोग करना खतरनाक हो सकता है।

किडनी स्टोन बार-बार क्यों बनते हैं? डॉक्टर से जानें पानी से लेकर खान-पान तक कौन सी आदतें हैं जिम्मेदार

किडनी स्टोन की समस्या आजकल लोगों में तेजी से बढ़ी है। इसकी एक बड़ी वजह शरीर में पानी की कमी और खान-पान से जुड़ी कुछ आदतें भी हो सकती हैं। मेट्रो ग्रुप ऑफ़ हॉस्पिटल्स में नेफ्रोलॉजी, किडनी ट्रांसप्लांट और सीनियर कंसल्टेंट डॉ. राजेश बंसल, कहते हैं कि इसलिए केवल पथरी का इलाज कराना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसके दोबारा बनने की वजह को समझना भी जरूरी है। तो चलिए जानते हैं किडनी स्टोन बार-बार क्यों बनते हैं?

पानी कम पीनाः कम पाने पीने से किडनी स्टोन की समस्या बढ़ जाती है। दरअसल, जब शरीर को पानी नहीं मिलता, तो यूरिन में मौजूद कैल्शियम, ऑक्सलेट आपस में जुड़कर क्रिस्टल बना सकते हैं, जो धीरे-धीरे स्टोन का रूप ले सकते हैं। जिन लोगों को पहले पथरी हो चुकी है, उन्हें खासतौर पर पर्याप्त मात्रा में पानी पीने की आदत बनाए रखनी चाहिए।

ज्यादा नमक का सेवनः डाइट में जरूरत से ज्यादा नमक लेना भी किडनी स्टोन के जोखिम को बढ़ा सकता है। इसलिए पैकेज्ड फूड, चिप्स, नमकीन, इंस्टेंट नूडल्स और ज्यादा नमक वाले प्रोसेस्ड फूड का सेवन भी सीमित करना चाहिए।

ज्यादा मीट और प्रोटीनः रेड मीट और कुछ पशु आधारित प्रोटीन का बहुत ज्यादा सेवन भी कुछ लोगों में स्टोन बनने की संभावना बढ़ा सकता है। ऐसे भोजन से शरीर में यूरिक एसिड का स्तर बढ़ सकता है और यूरिक एसिड स्टोन का खतरा बढ़ सकता है।

ऑक्सलेट वाले खाद्य पदार्थः कुछ किडनी स्टोन कैल्शियम ऑक्सलेट से बनते हैं। पालक, चुकंदर, कुछ नट्स, चॉकलेट और कुछ अन्य खाद्य पदार्थों में ऑक्सलेट की मात्रा ज्यादा होती है। जिन लोगों में कैल्शियम ऑक्सलेट स्टोन बार-बार बनते हैं, उन्हें डॉक्टर या डाइटिशियन की सलाह के अनुसार अपनी डाइट में जरूरी बदलाव करने चाहिए।

वजन और लाइफस्टाइल का असरः मोटापा, शारीरिक गतिविधि की कमी और असंतुलित डाइट भी किडनी स्टोन के जोखिम से जुड़े हो सकते हैं। लंबे समय तक बैठे रहना, पर्याप्त पानी न पीना और ज्यादा नमक-चीनी वाले प्रोसेस्ड फूड का सेवन शरीर के मेटाबॉलिज्म पर असर डाल सकता है।

अगर किसी व्यक्ति को बार-बार किडनी स्टोन हो रहा है, तो केवल दर्द की दवा या हर बार स्टोन निकलने का इंतजार करना पर्याप्त नहीं है।

हार्ट के मरीजों को कौन सी एक्सरसाइज करनी चाहिए? कार्डियोलॉजिस्ट ने बताया

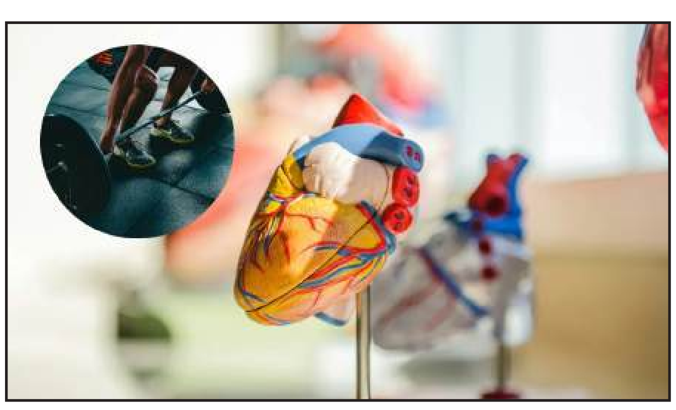

एक्सरसाइज सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है। अपने आप को फिट रखने के लिए लोग रोजाना एक्सरसाइज करते हैं। यह कई तरह की होती है जिनमें कार्डियो और मसल्स स्ट्रेंथ बढ़ाने वाली एक्सरसाइज प्रमुख मानी जाती हैं। लेकिन अगर कोई व्यक्ति हार्ट की बीमारी से पीड़ित है तो उसके लिए हर तरह की एक्सरसाइज्ञ सही नहीं मानी जाती है। ऐसे में यह जानना बेहद ज़रूरी है कि हार्ट के मरीजों को किस तरह का वर्कआउट करना चाहिए? साओल हार्ट सेंटर के संस्थापक और एमबीबीएस, एमडी डॉक्टर बिमल छाजेर ने अपने यूट्यूब वीडियो में बताया कि दिल को स्वस्थ रखने और शरीर को एक्टिव रखने के लिए कौन सी एक्सरसाइज ज्यादा फायदेमंद हो सकती है।

कार्डियो एक्सरसाइजः वॉकिंग, जॉगिंग, साइकिलिंग, स्विमिंग और डांसिंग जैसे एरोबिक एक्सरसाइज हार्ट की स्पीड को बढ़ाते हैं और उसे बहुत देर तक मेंटेन रखते हैं। इससे हार्ट की स्ट्रेंथ बढ़ जाती है और ब्लड सर्कुलेशन भी बेहतर होता है। ऐसे में रोजाना कार्डियो एक्सरसाइज करने से हार्ट को मेहनत करने की आदत बन जाती है। इसे ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल, शुगर और इन्फ्लेमेशन भी कम होता है।

मसल्स स्ट्रेंथ एक्सरसाइजः मसल्स स्ट्रेंथ एक्सरसाइज में वेट लिफ्टिंग, पुशअप्स, स्क्वाट्स जैसी एक्सरसाइज की जाती है। इससे वजन कम होता है, बॉडी टोन होती है और इन्सुलिन रजिस्टेंट कंट्रोल होता है। लेकिन इस तरह की एक्सरसाइज करते समय हार्ट की स्पीड अचानक से बढ़ जाती है। ऐसे में इस तरह की एक्सरसाइज हार्ट पेशेंट के लिए सही नहीं है क्योंकि अचानक हार्ट बीट बढ़ना हार्ट अटैक की समस्या को बढ़ा सकता है। हालांकि, मसल्स स्ट्रेंथ एक्सरसाइज उन लोगों के लिए फायदेमंद है जो लोग हार्ट के मरीज नहीं है।

डॉक्टर बिमल छाजेर कहते हैं कि अगर आप हार्ट के मरीज हैं तो आप योगा, वॉक, साइकिलिंग, स्विमिंग और डांसिंग जैसे कार्डियो एक्सरसाइज को अपने रूटीन में शामिल करें। यह ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर करने के साथ आपके हार्ट को भी मजबूत बनाती है. साथ ही अगर आप मसल्स स्ट्रेंथ एक्सरसाइज करना चाहते हैं तो पहले अपने डॉक्टर को ज़रूर कंसल्ट करें।

₹2000 तक के UPI पर कोई फीस नहीं, RuPay डेबिट कार्ड ट्रांजेक्शन भी रहेंगे फ्री- सरकार ने जारी किया गजट नोटिफिकेशन

यूपीआई का इस्तेमाल करने वाले देश करोड़ों यूजर्स के लिए एक अच्छी खबर आई है। भारत सरकार ने 2000 रुपये तक के सभी यूपीआई ट्रांजैक्शन पर किसी भी तरह की फीस या चार्ज लेने से पूरी तरह रोक लगा दी है। ये खबर देश के तमाम छोटे दुकानदारों के लिए भी काफी राहत लेकर आई है। इतना ही नहीं, सरकार ने कहा है कि RuPay डेबिट कार्ड से किए जाने वाले 2000 रुपये तक के सभी ट्रांजेक्शन भी पूरी तरह से फ्री रहेंगे और इन पर भी किसी तरह की कोई फीस नहीं वसूली जा सकती है। सरकार ने यूपीआई और रुपे डेबिट कार्ड से किए जाने वाले 2000 रुपये तक के ट्रांजैक्शन पर फीस की वसूली को रोकने के लिए सोमवार को एक गजट नोटिफिकेशन भी जारी कर दिया है। बताते चलें कि गजट नोटिफिकेशन एक आधिकारिक सरकारी सूचना है। इसके साथ ही, ये एक कानूनी दस्तावेज भी होता है। भारत सरकार के वित्त मंत्रालय ने गजट नोटिफिकेशन के माध्यम से सोमवार को बताया कि पेमेंट एंड सेटलमेंट सिस्टम्स एक्ट, 2007 (2007 का 51) की धारा 10A के अनुसार, केंद्र सरकार ने बैंकों और सिस्टम प्रोवाइडर्स को RuPay डेबिट कार्ड और UPI के जरिए 2000 रुपये तक के पेमेंट करने या लेने वाले व्यक्ति पर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी चार्ज लगाने से रोक दिया है। इसके तहत, पैसे भेजने वाले और पैसे प्राप्त करने वाले किसी भी UPI यूजर से कोई भी बैंक या सर्विस प्रोवाइडर जैसे- फोनपे, पेटीएम, गूगल पे आदि किसी भी तरह की कोई फीस नहीं वसूल सकते हैं।

मदनपुर खादर में बंद हुआ दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे का हिस्सा

दिल्ली के मदनपुर खादर में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे का हिस्सा बंद कर दिया गया है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने एक एडवाइजरी जारी कर इसकी जानकारी दी है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने बताया कि दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर NHAI हाईवे का एक हिस्सा मदनपुर खादर में अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। एडवाइजरी के अनुसार, जैतपुर से सराय काले खां और आश्रम की ओर जाने वाले हाईवे के हिस्से को अगले निर्देश तक बंद किया गया है। आश्रम और सराय काले खां की ओर जाने वाले लोगों को सलाह दी गई है कि वे इस प्रभावित हिस्से से न गुजरें और अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए कालिंदी कुंज और मथुरा रोड के रास्ते होते हुए सर्विस रोड का इस्तेमाल करें। यातायात पुलिस ने वाहन चालकों से अपनी यात्रा की योजना इसी के अनुसार बनाने और सड़कों पर लगाए गए यातायात निर्देशों और संकेतकों का पालन करने की अपील की है। एडवाइजरी में कहा गया है कि गाड़ियों की आवाजाही सुचारू रखने और यात्रियों को दूसरे रास्तों से जाने में मदद करने के लिए प्रभावित क्षेत्र में यातायात कर्मियों को भी तैनात किया गया है। अब वे इस हिस्से को दोबारा खोलने से पहले जरूरी उपायों का आकलन कर रहे हैं।

40 रुपये से लेकर 85 रुपये तक के भाव पर बिक रही चीनी, जानें आपके राज्य में कहां तक आया भाव

सरकार द्वारा किए गए विभिन्न उपायों के बाद सोमवार को देशभर में चीनी की औसत खुदरा कीमत लगातार चौथे दिन 60 रुपये प्रति किलोग्राम से नीचे रहीं। हालांकि, त्योहारों से जुड़ी मांग की वजह से कुछ क्षेत्रों में कीमतों पर दबाव बना हुआ है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, सोमवार को चीनी की औसत खुदरा कीमत 59.57 रुपये प्रति किलोग्राम रही, जो रविवार को 58.99 रुपये प्रति किलोग्राम थी। शुक्रवार को चीनी की कीमत 60 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर से नीचे आ गई थी और पिछले 3 दिनों में इसमें और नरमी आई है। औसत खुदरा कीमत अब भी 58.23 रुपये प्रति किलोग्राम से ज्यादा है। 21 अगस्त को ये कीमत इतनी थी, जब केंद्र ने पहली बार चीनी के आयात की अनुमति दी थी और इसकी कीमतों पर अंकुश लगाने के लिए अन्य कदम उठाए थे। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, सोमवार को चीनी की अधिकतम खुदरा कीमत 85 रुपये प्रति किलोग्राम पर स्थिर रही, जबकि न्यूनतम कीमत 40 रुपये प्रति किलोग्राम थी। दक्षिणी राज्यों में आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में खुदरा कीमतों में मामूली बढ़ोतरी हुई, जबकि तमिलनाडु और केरल में मामूली गिरावट दर्ज की गई। आंध्र प्रदेश में औसत खुदरा कीमत सोमवार को बढ़कर 55.56 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई, जो 21 अगस्त को 49.58 रुपये प्रति किलोग्राम थी। केरलम में ये 56.75 रुपये से मामूली बढ़कर 57.8 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। चीनी के प्रमुख उत्पादक राज्यों में कीमतों में नरमी आई। महाराष्ट्र में औसत खुदरा कीमत 59 रुपये से घटकर 58.22 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई, जबकि उत्तर प्रदेश में ये 59.64 रुपये से घटकर 57.88 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई।

भारत ने जब्त किया पाकिस्तान का 3,62,000 किलो खजूर

राजस्व खुफिया निदेशालय (DRI) ने पाकिस्तान से आयात पर लगाए गए प्रतिबंध के बावजूद माल भेजने की कोशिशों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। इस कार्रवाई के तहत, राजस्व खुफिया निदेशालय ने पाकिस्तान का 362 मीट्रिक टन यानी 3,62,000 किलो से ज्यादा सूखा खजूर जब्त किया है। भारत सरकार के वित्त मंत्रालय ने सोमवार को इसकी जानकारी दी है। राजस्व खुफिया निदेशालय के अधिकारियों ने खुफिया जानकारी के आधार पर महाराष्ट्र के नासिक के सीएफएस अंबड में सूखे खजूर के 13 कंटेनर जब्त किए, जिन्हें मुंबई स्थित एक फर्म द्वारा आयात किया गया था। ये खेप संयुक्त अरब अमीरात (UAE) के जेबेल अली से आई थीं और आयात दस्तावेजों में संयुक्त अरब अमीरात को मूल देश घोषित किया गया था। प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि खजूर के पाकिस्तान मूल को छिपाने के लिए सावधानीपूर्वक बनाई गई ट्रांसशिपमेंट व्यवस्था की गई थी। सूखे खजूर को शुरू में पाकिस्तान के कराची बंदरगाह से संयुक्त अरब अमीरात के जेबेल अली बंदरगाह तक एक जहाज पर कंटेनरों के एक सेट में भेजा गया था। जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा हो सके और सप्लाई चेन की अखंडता को मजबूत किया जा सके।

रोज करें चक्रासन का अभ्यास, जानें करने का सही तरीका और फायदे

योग भारतीय संस्कृति की प्राचीन धरोधर है, जो मन और आत्मा को संतुलित रखने का मार्ग दिखाता है। योग के अनेक आसनों में चक्रासन एक महत्वपूर्ण आसन है, जो न केवल शरीर को लचीला बनाता है बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है। 'चक्र' का अर्थ है पहिया और 'आसन' का अर्थ है मुद्रा। इस आसन में शरीर को पीछे की ओर मोड़कर पहिए जैसा आकार दिया जाता है। यह पीठ, हाथ, पैर और पेट की मांसपेशियों को मजबूत करता है, साथ ही शरीर की लचीलापन और मुद्रा में सुधार करता है। योग विशेषज्ञों का कहना है कि नियमित अभ्यास से यह आसन कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के अनुसार, चक्रासन से कमर-रीढ़ की समस्याएं दूर होती हैं, आंखों की रोशनी बढ़ती है, कब्ज से राहत मिलती है, और तनाव-चिंता कम होती है। यह मानसिक तनाव और चिंता को कम कर शांति देने में भी मददगार है। यह मांसपेशियों को मजबूत कर शरीर की सक्रियता बढ़ाता है। इसके अभ्यास के लिए सबसे पहले पीठ के बल जमीन पर लेट जाएं। अपने पैरों को घुटनों से मोड़ें और पैरों को कूल्हों के पास लाएं। इसके बाद सांस लेते हुए हथेलियों और पैरों पर जोर देकर शरीर को ऊपर उठाएं। सिर को आराम से पीछे की ओर लटकाएं।

नाश्ते में करते हैं ये 4 गलतियां तो पूरे दिन रहेगी थकान, आज ही सुधारें आदत

दिन की शुरुआत हम जिस चीज से करते हैं, उसका असर पूरे दिन की ऊर्जा और काम करने की क्षमता पर पड़ता है। सुबह का नाश्ता शरीर के लिए दिन का पहला ईंधन माना जाता है। रातभर के लंबे अंतराल के बाद जब हम सुबह कुछ पौष्टिक खाते हैं, तो शरीर को काम करने के लिए ऊर्जा मिलती है। लेकिन कई बार जल्दबाजी, व्यस्त दिनचर्या या स्वाद के चक्कर में हम नाश्ते से जुड़ी कुछ ऐसी गलतियां कर देते हैं, जो सेहत पर उल्टा असर डाल सकती हैं। सुबह की सबसे आम गलती है नाश्ता न करना है। कई लोग वजन कम करने या समय की कमी के कारण नाश्ता नहीं करते और सीधे दोपहर का खाना खाते हैं। लंबे समय तक ऐसा करने से कुछ लोगों को सुबह कमजोरी, थकान या ध्यान लगाने में परेशानी महसूस हो सकती है। खासकर जिन लोगों का दिन शारीरिक या मानसिक मेहनत वाला होता है, उनके लिए सुबह संतुलित भोजन लेना फायदेमंद हो सकता है। इसलिए कोशिश करें कि सुबह कुछ पौष्टिक जरूर खाएं। बहुत ज्यादा समय न हो तो फल, दही, अंडे, पोहा, उपमा या ओट्स जैसे आसान विकल्प लिए जा सकते हैं। सुबह के नाश्ते में मीठी चीजों का ज्यादा इस्तेमाल भी अच्छी आदत नहीं है। बाजार में मिलने वाले कई बिस्किट, पेस्ट्री, डोनट या मीठे पेय पदार्थों में रिफाइंड शुगर की मात्रा ज्यादा हो सकती है। ऐसी चीजें खाने से तुरंत ऊर्जा महसूस हो सकती है, लेकिन यह हमेशा लंबे समय तक पेट भरा रखने का बेहतर तरीका नहीं है। नाश्ते में ज्यादा चीनी की जगह फल, साबुत अनाज और अन्य पौष्टिक चीजों को शामिल करना बेहतर विकल्प हो सकता है। सिर्फ कार्बोहाइड्रेट वाला नाश्ता करने से जल्दी भूख लग सकती है। इसका एक कारण यह भी हो सकता है कि भोजन में पर्याप्त प्रोटीन नहीं है। प्रोटीन पेट को लंबे समय तक भरा हुआ महसूस कराने में मदद करता है और संतुलित डाइट का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसके बजाय नाश्ते में अंडा, दही, पनीर, दूध, दाल, चना, मूंग या अन्य प्रोटीन स्रोत शामिल किए जा सकते हैं। इससे नाश्ता ज्यादा संतुलित बन सकता है। भारत में बहुत से लोगों के दिन की शुरुआत चाय से होती है। कुछ लोग तो नाश्ता करने से पहले ही एक या दो कप चाय पी लेते हैं। लेकिन ऐसा करने से कुछ लोगों में एसिडिटी या पेट की परेशानी बढ़ सकती है। अगर आपको पहले से गैस या एसिडिटी की शिकायत रहती है, तो खाली पेट चाय पीने की आदत पर ध्यान देना चाहिए। बेहतर है कि सुबह चाय के साथ या उससे पहले कुछ हल्का खा लिया जाए। नाश्ते में जरूरत से ज्यादा तला-भुना और बहुत अधिक तेल वाला भोजन करना भी रोजाना की अच्छी आदत नहीं मानी जाती।

तरुण तेजपाल ने गोवा कोर्ट में किया सरेंडर, सलाखों के पीछे पहुंचे; 2013 रेप केस में मिली है 10 साल की सजा

रेप के केस में दोषी ठहराए गए 'तहलका' के पूर्व एडिटर तरुण तेजपाल ने आज गोवा की कोर्ट में सरेंडर किया। अदालत ने तरुण तेजपाल को साउथ कोलवाले सेंट्रल जेल भेज दिया। हाईकोर्ट ने तरुण तेजपाल को 10 साल की सजा सुनाई थी। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट से सरेंडर के लिए वक्त देने की मांग की थी लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने उनकी अपील खारिज कर दी। इसके बाद तरुण तेजपाल के पास सरेंडर करने के अलावा कोई रास्ता नहीं था। हालांकि आज जेल जाने से पहले तरुण तेजपाल ने कहा कि वो सुप्रीम कोर्ट में अपनी लड़ाई जारी रखेंगे। उन्हें उम्मीद है कि इंसाफ जरूर मिलेगा। तरुण तेजपाल ने हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। अब उनकी पिटीशन पर सुप्रीम कोर्ट 22 सितंबर को सुनवाई करेगा। वहीं, इससे पहले यौन हिंसा मामले में 10 साल की सजा सुनाए जाने के बाद तेजपाल ने कहा कि वह राजनीतिक साजिश का शिकार हैं और उनकी बेगुनाही के लिए काफी सबूत मौजूद हैं। सुप्रीम कोर्ट के सामने एक तरफ तरुण तेजपाल की अपील है जहां उन्होंने हाई कोर्ट की 10 साल की सजा को चुनौती दी है। दूसरी तरफ, गोवा सरकार की अपील है जिसमें कहा गया कि हाई कोर्ट की सुनाई गई सजा तेजपाल द्वारा किए गए अपराधों की प्रकृति और गंभीरता के हिसाब से बहुत कम है। तरुण तेजपाल अपनी सजा को खारिज करने की मांग कर रहे हैं और गोवा सरकार का कहना है कि तेजपाल की सजा को बढ़ाया जाए, उन्हें कम से कम उम्रकैद की सजा दी जाए। बता दें कि साल 2013 में तरुण तेजपाल के साथ काम करने वाली एक युवती ने उन पर गोवा के एक फाइव स्टार होटल की लिफ्ट में रेप का आरोप लगाया था। 30 नवंबर 2013 को तरुण तेजपाल को अरेस्ट किया गया था। इससे पहले उन्होंने अग्रिम जमानत के लिए अपील भी की थी, लेकिन कोर्ट ने उन्हें कोई राहत देने से इनकार कर दिया था। गोवा सेशन कोर्ट ने साढ़े सात साल बाद 2021 में उन्हें सभी आरोपों से बरी

कर दिया था। नाश्ते में जरूरत से ज्यादा तला-भुना और बहुत अधिक तेल वाला भोजन करना भी रोजाना की अच्छी आदत नहीं मानी जाती। पूड़ी, कचौरी, पकौड़े या बहुत ज्यादा तेल में बने खाद्य पदार्थ स्वादिष्ट जरूर लग सकते हैं, लेकिन इन्हें नियमित नाश्ते का हिस्सा बनाने के बजाय सीमित मात्रा में लेना बेहतर है। नाश्ते में हल्का और पोषक भोजन दिन की शुरुआत के लिए बेहतर विकल्प हो सकता है। इसके अलावा सिर्फ स्वाद के कारण नाश्ते की मात्रा बहुत ज्यादा बढ़ा देना भी सही नहीं है। शरीर की जरूरत उम्र, शारीरिक गतिविधि और दिनचर्या के अनुसार अलग-अलग होती है। इसलिए नाश्ता इतना हो कि पेट भरे और शरीर को जरूरी पोषक तत्व मिलें, लेकिन भोजन की मात्रा जरूरत से ज्यादा न हो। नाश्ते में फाइबर की कमी भी एक आम समस्या हो सकती है। फल, सब्जियां, साबुत अनाज, ओट्स, दलिया और बीज जैसे खाद्य पदार्थ फाइबर के अच्छे स्रोत हो सकते हैं। फाइबर पाचन स्वास्थ्य के लिए उपयोगी है और भोजन को अधिक संतुलित बनाने में मदद करता है। इसके साथ पर्याप्त पानी पीना भी जरूरी है। एक और गलती है रोजाना एक ही तरह का नाश्ता करना और भोजन में विविधता न रखना।

लद्दाख की खत्म हो रही झील को बचाने के लिए की गई अनोखी पहल

लद्दाख। लद्दाख की मरती हुई भव्य झील को बचाने के लिए एक अनोखी इकोलॉजिकल पहल की जा रही है। इस झील के पुनरुद्धार के लिए उपराज्यपाल वीके सक्सेना अब एक और बड़े अभियान पर निकल पड़े हैं। दरअसल लेह के पास सूखी जमीन की सिंचाई के लिए स्टॉक ग्लेशियर के 90 मिलियन लीटर पानी को इगू-फे और चुचोट गांव की नहरों में सफलतापूर्वक पहुंचाने के बाद, उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने अब एक और बड़ा प्रोजेक्ट शुरू किया है। इसके तहत चांगथांग जिले की रूपशो खर्नक ग्लेशियर धारा के पानी को लगभग 15,000 फ़ीट की ऊंचाई पर स्थित त्सो कार झील तक पहुंचाया जाएगा, ताकि इस खत्म हो रही झील को फिर से जीवित और बेहतर बनाया जा सके। इस प्रोजेक्ट में रूपशो खर्नक धारा से त्सो कार झील तक हर दिन औसतन 132 क्यूसेक या 320 मिलियन लीटर बेकार बह रहे ग्लेशियर के पानी को पहुंचाने की योजना है। पिछले एक दशक में इस झील का आकार लगभग 70% तक कम हो गया है। हालांकि दिलचस्प बात यह है कि अभी ग्लेशियर का यह सारा बेकार पानी सिंधु नदी में बहकर बर्बाद हो जाता है।

दिल्ली के एक श्मशान घाट के पास मिला नवजात का सिर कटा शव, कौन फेंक गया?

दिल्ली के कंझावला इलाके के मुबारकपुर डबास में सोमवार को एक श्मशान घाट के पास नवजात शिशु का सिर कटा शव मिला। नवजात शिशु का सिर कटा शव मिलने के बाद स्थानीय लोगों ने हैरानी जताई। इस सनसनीखेज घटना के बाद स्थानीय लोगों ने बच्चों की सुरक्षा को लेकर गहरी चिंता जाहिर की। शव मिलने पर स्थानीय लोगों ने तुरंत उसे कपड़े से ढका और पुलिस को सूचित किया। लोगों का अनुमान है कि शव को जानबूझकर वहां फेंका या रखा गया है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे इलाके को सील कर दिया। पुलिस ने कहा कि उसने मौत की परिस्थितियों, शव को मौके पर कैसे लाया गया और इसे वहां किसने छोड़ा, इन बातों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि मुबारकपुर डबास में श्मशान घाट के छोटे द्वार के पास शव मिला। स्थानीय लोगों ने कहा कि उस स्थान पर शिशु का शव मिलने के बाद उन्होंने उसे कपड़े से ढक दिया और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर इलाके की घेराबंदी कर दी। पुलिस के अनुसार, शिशु की उम्र लगभग दो से तीन महीने रही होगी। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, "हमने एक शिशु का सिर कटा शव बरामद किया है। चूंकि शव श्मशान घाट के पास मिला है, इसलिए हम रिकॉर्ड की जांच भी कर रहे हैं और वहां के पुजारी से पूछताछ कर रहे हैं।" उन्होंने बताया कि मामले की जांच और गायब सिर की तलाश के लिए पुलिस की कई टीम गठित की गई हैं। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए रोहिणी जिले के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) और अतिरिक्त डीसीपी समेत वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का दौरा किया। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है। कुछ महीने पहले, मुंबई एयरपोर्ट पर टॉयलेट के डस्टबिन में एक नवजात बच्चे की लाश मिली थी। एयरपोर्ट के टॉयलेट में रात के समय में ये शव देखा गया, जिसके बाद एयरपोर्ट के सुरक्षाकर्मी के साथ नजदीकी पुलिस स्टेशन में इसकी जानकारी दी गई। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने बच्चे को कब्जे में लेकर हॉस्पिटल में भर्ती कराया। डॉक्टर ने चेक करते ही नवजात को मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद पुलिस ने आसपास के क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है। जांच टीम यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि शव को वहां तक कौन लेकर आया और घटना के पीछे क्या कारण रहा। आसपास के लोगों से भी जानकारी जुटाई जा रही है, ताकि किसी संदिग्ध गतिविधि या व्यक्ति के बारे में सुराग मिल सके। पोस्टमार्टम रिपोर्ट को जांच में अहम माना जा रहा है। इससे नवजात की मौत कब और किन परिस्थितियों में हुई, इस संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी मिलने की उम्मीद है। पुलिस गायब सिर की तलाश के लिए अलग-अलग स्थानों पर जांच कर रही है।

राजस्थान निकाय चुनाव में बीजेपी की बड़ी जीत, गहलोत के गढ़ में भी सेंध, कांग्रेस को सिर्फ बीकानेर में बहुमत

जयपुर। राजस्थान के लोकल बॉडी इलेक्शन में बीजेपी ने जबरदस्त जीत हासिल की है। राजस्थान के 10 नगर निगमों में 5 में बीजेपी का मेयर बनना तय है। पूर्व सीएम और कांग्रेस के सीनियर नेता अशोक गहलोत के गढ़ जोधपुर में भी बीजेपी का मेयर बन सकता है। दिलचस्प बात यह है कि गहलोत के वॉर्ड में बीजेपी ने जीत दर्ज की. लेकिन केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत के वॉर्ड में कांग्रेस जीत गई। कांग्रेस को सिर्फ एक बीकानेर नगर निगम में कामयाबी मिली। बीकानेर में कांग्रेस का मेयर बनना तय है। अजमेर और पाली में कांग्रेस के सबसे ज्यादा पार्षद जीते हैं, लेकिन यहां मेयर किसका होगा इसका फैसला निर्दलीय पार्षद करेंगे। जयपुर के 150 वाड्र्स में से 146 के रिजल्ट घोषित कर दिए गए हैं, जिसमें बीजेपी ने 78 वॉर्ड पर जीत दर्ज की है.. जबकि कांग्रेस को 53 वॉर्ड में जीत मिली है। कोटा, उदयपुर और अलवर में बीजेपी जीती है.. भरतपुर में निर्दलीय उम्मीदवारों ने बाजी मारी है। यहां 65 ward में से 38 पर निर्दलीय जीते हैं। बीजेपी को 20 और कांग्रेस को 7 वॉर्ड में जीत मिली। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने लोकल बॉडी इलेक्शन में भारी जीत का श्रेय प्रधानमंत्री मोदी को दिया। भजनलाल शर्मा ने कहा कि अब तो कांग्रेस को समझ जाना चाहिए कि देश के नौजवान मोदी के साथ हैं।

'वैश्विक झगड़ों के बाद भी भारत ने बनाई आम सहमति', BRICS Summit की सफलता पर बोले जयशंकर

नई दिल्ली। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की सफलता पर विदेश मंत्री एस जयशंकर का बयान सामने आया है। जयशंकर ने BRICS सम्मेलन को भारत की बड़ी कामयाबी बताया। उन्होंने कहा कि बहुत बंटी हुई दुनिया, युद्ध और देशों के बीच गहरे मतभेदों जैसी चुनौतियों के बीच इस शिखर सम्मेलन में भारत आम सहमति बनाने में सफल रहा। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भारत की "मजबूत आयोजन शक्ति" को दिखाया। साथ ही यह भी दिखाया कि गहरे ग्लोबल ध्रुवीकरण और झगड़ों के बावजूद आम सहमति बनाई जा सकती है। मीडियाकर्मियों से बातचीत में जयशंकर ने कहा कि सम्मेलन में 32 डेलीगेशन ने हिस्सा लिया, जिसमें 11 सदस्य देशों, 10 पार्टनर देशों, चार क्षेत्रीय संगठनों और सात अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधि शामिल थे। उन्होंने कहा कि इस समिट में रूस के प्रेसिडेंट व्लादिमीर पुतिन, चीन के प्रेसिडेंट शी जिनपिंग, इंडोनेशिया के प्रेसिडेंट प्रबोवो सुबियांटो, साउथ अफ्रीका के प्रेसिडेंट सिरिल रामफोसा, ईरान के प्रेसिडेंट मसूद पेजेशकियन, इथियोपिया के प्राइम मिनिस्टर अबी अहमद अली, मिस्र के प्रेसिडेंट अब्देल फत्ताह अल-सिसी और अबू धाबी के क्राउन प्रिंस शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान शामिल हुए। जयशंकर ने कहा, "पहली बात जो ध्यान देने वाली है, वह है मोदी के भारत की मज़बूत कन्वीनिंग पावर।" उन्होंने बताया कि ज़्यादातर डेलीगेशन हेड-ऑफ़-स्टेट या हेड-ऑफ़-गवर्नमेंट लेवल के थे। उन्होंने UN सेक्रेटरी-जनरल एंटोनियो गुटेरेस और दूसरे इंटरनेशनल ऑर्गनाइज़ेशन के हेड के शामिल होने पर भी ज़ोर दिया और कहा कि समिट ने लीडर्स को "बहुत खुली और आरामदायक बातचीत" करने में मदद की। जयशंकर ने कहा कि यह ब्रिक्स समिट एक बहुत पोलराइज्ड दुनिया की पृष्ठभूमि में हुई, जिसमें दो बड़े झगड़े, गहरे मतभेद और हितों के बीच मुकाबला था।

इन चुनौतियों के बावजूद भारत हिस्सा लेने वाले देशों के बीच आम सहमति बनाने में कामयाब रहा। उन्होंने कहा, "इस पोलराइजेशन के बीच भी, हमने असल में एक आम सहमति बनाई।"

उन्होंने वेस्ट एशिया विवाद का ज़िक्र किया उसे ब्रिक्स समिट के सामने सबसे मुश्किल मुद्दों में से एक बताया।

'वंदे मातरम् सिर्फ एक गीत नहीं है, बच्चा अपनी मातृभाषा में ही भारत को समझ सकता है', मुंबई में बोले अमित शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मुंबई में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा है कि वंदे मातरम् सिर्फ एक गीत नहीं है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार 14 सितंबर को हिंदी दिवस के अवसर पर नवी मुंबई में आयोजित हिंदी दिवस 2026 एवं छठे अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन को संबोधित किया है। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि हिंदी देश की भाषाई एकता और राष्ट्रीय चेतना की वाहक है। अपने संबोधन में अमित शाह ने भारत की प्रादेशिक भाषाओं/मातृभाषाओं और वंदे मातरम् का भी जिक्र किया। अमित शाह ने कहा कि कोई बच्चा अपनी मातृभाषा में ही भारत को समझ सकता है। अमित शाह ने कहा- "वंदे मातरम् कोई एक गीत नहीं है। वंदे मातरम् घनघोर गुलामी के कालखंड में भारतीय चेतना को जागरूक करने का ऋषि बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय का प्रयास था। उन्होंने अपनी कविता से भारत की सोई हुई चेतना को झंझोड़ने का काम किया। आनंद मठ में लिखा गया यह गीत देखते-देखते पूरे भारत में आजादी की उद्घोषणा बन गया। मुझे ये कहने में कोई संकोच नहीं है कि बंकिम चंद्र जी ने वंदे मातरम् की उद्घोषणा के साथ न केवल आजादी की उत्कंठा को, आजादी प्राप्त करने की तीव्र भावना को जागृत किया बल्कि उन्होंने इसके साथ-साथ भारत के सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की नींव डालने का काम भी किया था। मित्रों, वो वंदे मातरम्, उसके टुकड़े कर दिए। आजादी के बाद भी इसके पूर्ण स्वरूप को स्वीकार करते-करते देश की संसद को 80 साल लग गए। नरेंद्र मोदी एक ऐसे प्रधानमंत्री मिले जिन्होंने वंदे मातरम् को फिर से एक बार पूर्ण स्वरूप, गौरव के साथ सरकारी समारोहों में शामिल करने का काम किया।" इससे पहले रविवार को मुंबई में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा था कि भारत के ज्ञान को खत्म करने की कोशिश हुई। अमित शाह ने कहा- "संविधान निर्माताओं ने सोच समझकर ही हिंदी को राजभाषा के रूप में स्वीकार करने का निर्णय किया। और आज इतने साल के बाद जब से नरेंद्र मोदी जी प्रधानमंत्री बने हैं, तब से राजभाषा विभाग में ढेर सारी उपलब्धियां आई हैं। सबसे बड़ा काम नरेंद्र मोदी जी ने यह किया है कि नई शिक्षा नीति में प्राथमिक शिक्षा में मातृभाषा को सीखना अनिवार्य कर दिया। बच्चा अपनी मातृभाषा सीखे बगैर बड़ा व्यक्ति बन ही नहीं सकता है। क्योंकि मां के दुलार को, बहन के प्यार को अपनी मातृभाषा के बगैर वह समझ नहीं सकता है। अपनी भूमि से, अपनी भाषा से, अपने धर्म से, अपनी परंपराओं से,संस्कृति से और संस्कार से उसका लगाव मातृभाषा के माध्यम से ही हो सकता है। जो लोग भाषाओं के बीच में विवाद खड़ा करना चाहते हैं मैं उनको एक ही बात कहना चाहता हूं कि बच्चा अपनी मातृभाषा में ही भारत को समझ सकता है। अगर वह विदेशी भाषा में समझेगा तो भारत को समझने में वह गलती कर देगा। इसलिए हम सब राजनीतिक मतभेद छोड़कर भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने पर जोर रखें।" अमित शाह ने कहा- "हमारे प्रधानमंत्री ने जो पांच प्रण लाल किले की प्राचीर से देश की जनता के लिए है रखे हैं, उसमें एक प्रण गुलामी की मानसिकता से मुक्ति का भी है। मित्रों कवि गुरु रवींद्रनाथ टैगोर से बड़ा कोई व्यक्ति हो नहीं सकता। भाषाओं को लेकर मैं उनका एक उद्गार आप सबके सामने पढ़ना चाहता हूं।

दिल्ली के आया नगर में जिम के बाहर ताबड़तोड़ फायरिंग, ट्रेनर विजय कुमार को मारीं 4 गोलियां

नई दिल्ली के आया नगर इलाके में आज सुबह सरेआम एक 30 वर्षीय जिम ट्रेनर की गोली मारकर हत्या कर दी गई। हमलावरों ने 12 राउंड से अधिक राउंड फायरिंग की, जिसमें से 4 गोलियां विजय को लगीं। दो गोलियां सीधे सिर में लगने के कारण विजय की मौके पर ही मौत हो गई। घटना सुबह करीब 10 बजे की है जब विजय जिम के अंदर अपने ऑनलाइन ट्रेनिंग सेशन की तैयारी कर रहा था।'द परफेक्ट जिम' में विजय कुमार ट्रेनर था, उसके बाहर ही विजय की हत्या की गई। पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मृतक के परिजनों के मुताबिक, विजय सुबह 5 बजे जिम के लिए घर से निकला था। 10 बजे उन्हें जानकारी मिली कि विजय को किसी ने गोली मार दी। मृतक विजय के चाचा ने बताया कि हमलावर 2 बाइक पर सवार होकर आये थे कुल 4 लोग थे। हमलावरों ने किसी बच्चे को बोलकर विजय को जिम से बाहर बुलाया और विजय पर ताबड़तोड़ गोली चलाना शुरू कर दिया। विजय को 4 गोली लगी थी 2 गोली तो विजय के सिर में लगी थी। विजय की मौके पर ही मौत हो गई। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। जिम के दोनों तरफ लगे CCTV कैमरों में पूरी वारदात की फुटेज कैद हो गई है, जिसे पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है।

पांच गाड़ियों को टक्कर मारने के बाद होटल में घुसी बस, चूल्हे से लगी आग, 50 लोग घायल

रंगा रेड्डी। तेलंगाना के रंगा रेड्डी जिले में एक भयानक सड़क हादसा हुआ है। यहां शमशाबाद में एक कंटेनर ट्रक बिजली के पोल से टकरा गया। इसके बाद एक दूसरी बस भी बिजली के पोल से टकरा गई। पोल को टक्कर मारते हुए बस ने मारुति अर्टिगा, मारुति ओमनी, मारुति स्विफ्ट और एक मोटरसाइकिल को टक्कर भी टक्कर मार दी। सभी गाड़ियों को टक्कर मारते हुए बस सड़क किनारे बने एक होटल और पान की दुकान में जा घुसी। वहीं टक्कर की वजह से होटल के अंदर चूल्हा जलने की वजह से आग लग गई। इस घटना के पास स्थानीय लोगों ने आग पर काबू पा लिया। बताया जा रहा है कि इस पूरी घटना करीब 50 लोग घायल हैं। फिलहाल सभी घायलों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज किया जा रहा है। दरअसल, शमशाबाद के पास बेंगलुरु-हैदराबाद नेशनल हाईवे पर एक भयानक दर्दनाक हादसा हुआ है। जानकारी के मुताबिक हैदराबाद से बेंगलुरु जा रहा एक कंटेनर ट्रक डिवाइडर पर लगे बिजली के खंभे से टकरा गया। इसके बाद, सामने से आ रही 'सेवन हिल्स प्राइवेट ट्रैवल्स' की बस भी उसी बिजली के खंभे से टकराई और फिर पास में खड़ी मारुति अर्टिगा, मारुति ओमनी, मारुति स्विफ्ट और एक मोटरसाइकिल को टक्कर मारते हुए 'बालाजी भवन' होटल में जा घुसी। बस होटल के बगल में बनी पान की दुकान से भी टकरा गई। टक्कर के समय होटल के अंदर चूल्हा जल रहा था, जिससे अचानक आग लग गई।

स्वत्वाधिकारी, स्वामी, प्रकाशक प्रदीप सिंह के लिए मुद्रक ताराचन्द कुमावत महारानी प्रिंटर्स, प्लॉट नं 17, माँ वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़ जयपुर - 302012 (राजस्थान) से मुद्रित व 1053, सोसाइटी नगर, शहीद भगत सिंह कॉलोनी, पाली, राजस्थान - 306401 (राजस्थान) से प्रकाशित (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा) समाचार चयन के लिए पी.आर.पी. एक्ट के तहत जिम्मेदार I RNI No. - RJMUL/26/A4290 प्रबंध सम्पादक - प्रदीप सिंह, मो . 9983831415